दैनिक

# पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 346 | ग्वालियर, शुक्रवार 29 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8


## न्यूज ट्रैक

### खत्म होगा किसान आंदोलन? दिल्ली में हिंसा के बाद पुलिस कमिश्नर बोले- चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं आने वाले दिन

**नई दिल्ली।** किसानों की गणतंत्र दिवस की ट्रैक्टर रैली के दौरान दिल्ली में हुई हिंसा के बाद पुलिस ने उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए अपना मोर्चा संभाल लिया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने पुलिसकर्मियों को एक चिट्ठी लिखी है, जिससे लगता है कि आने वाले दिनों में कुछ बड़े एक्शन लिए जा सकते हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर एस. एन. श्रीवास्तव ने जवानों से कहा है कि आने वाले कुछ दिन चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि 26 जनवरी को किसान आंदोलन के उग्र व हिंसक हो जाने पर भी आपने अत्यंत संयम और सूझबूझ का परिचय दिया है। यद्यपि हमारे पास बाल प्रयोग का विकल्प मौजूद था, लेकिन हमने सूझबूझ का परिचय दिया। आपके इस आचरण से दिल्ली पुलिस इस चुनौतीपूर्ण आंदोलन से निपट पाई। हम सब इस प्रकार की चुनौतियों का सामना करते आए हैं। दिल्ली के पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए लिखे गए पत्र में उन्होंने आगे कहा, आपकी मेहनत और कार्य कुशलता से ही किसान आंदोलन की चुनौती का हम डट कर मुकाबला कर पाए हैं। किसान आंदोलन में हई हिंसा से 394 साथी घायल हुए हैं। सबको अच्छा उपचार उपलब्ध हो रहा है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि आगे आने वाले कुछ दिन हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं, इसलिए हमें सचेत रहने की जरूरत है। हम सबको अपना धैर्य और अनुशासन बनाए रखना है। मैं आपके संयम और धैर्य के लिए धन्यवाद देता हूं।

**किसान नेताओं को पुलिस का नोटिस जारी**-दिल्ली पुलिस गणतंत्र दिवस पर राजधानी में उत्पात मचाने वाले दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कह चुकी है। वहीं, पुलिस ने किसान नेताओं पर भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में नामजद किसान नेताओं के विरुद्ध लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। किसी आरोपी को देश से बाहर जाने से रोकने के लिए उसके विरुद्ध लुक आउट नोटिस जारी किया जाता है। पुलिस ने एफआईआर में राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव और मेधा पाटकर समेत 37 किसान नेताओं के नाम दर्ज किए हैं। इस एफआईआर में हत्या की कोशिश, दंगा और आपराधिक साजिश के आरोप लगाए गए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## गाजीपुर बॉर्डर से किसानों को हटाने की तैयारी, गाजियाबाद से जुड़ी नोएडा की सीमाएं सील

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों का धरना समाप्त कराने की घोषणा के बाद गाजीपुर बॉर्डर पर जारी अफरा-तफरी के बीच गाजियाबाद से जुड़ी नोएडा की सीमाओं को सील कर दिया गया है। नोएडा पुलिस ने एनएच-24 से जुड़ी सीमाओं पर भारी संख्या में पुलिस को तैनात कर दिया है ताकि प्रदर्शनकारी किसान गाजीपुर बॉर्डर से नोएडा में प्रवेश न कर सकें। यूपी सरकार ने गाजीपुर बॉर्डर से किसानों को जल्द से जल्द हटाने के आदेश जारी किए हैं। आदेश जारी होने के बाद गाजियाबाद पुलिस सहित भारी संख्या में अर्धसैनिक बलों को गाजीपुर बॉर्डर पर तैनात कर दिया गया है। यहां पर सुरक्षा बलों ने बॉर्डर को दोनों तरफ से बंद कर दिया है। नोएडा पुलिस को आशंका है कि किसान गाजीपुर बॉर्डर से नोएडा में प्रवेश कर सकते हैं। इसके तहत गाजियाबाद से जुड़ी नोएडा की सीमाओं को सील कर दिया गया है। सीमाओं पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने सेक्टर-62 गोल चक्कर, एफएनजी मोड और एनआईबी क्षेत्र में बैरिकेड्स लगा दिए हैं। तीनों जगहों पर थाना प्रभारी सहित पुलिस को तैनात किया गया है। पुलिस को आदेश दिए गए हैं कि किसी भी सूरत में किसानों को नोएडा में प्रवेश न करने दिया जाए। यदि कोई जबरन प्रवेश करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

**गाजियाबाद प्रशासन ने किसानों को यूपी गेट खाली करने को कहा**-जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारी किसानों को गुरुवार आधी रात तक यूपी गेट खाली करने का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा उन्हें वहां से हटा दिया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में हिंसा को लेकर तीन किसान संगठनों ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ अपना आंदोलन वापस ले लिया है। इसके बाद प्रशासन ने यह मौखिक निर्देश दिया है। जिले के एक अधिकारी ने कहा कि गाजियाबाद के जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने दिल्ली सीमा पर यूपी गेट पर डेरा डाले प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें रात तक प्रदर्शनस्थल खाली करने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर प्रशासन उन्हें हटा देगा।

### खेल-खेल में ऐसा क्या हुआ की डेढ़ साल के

## बच्चे को फ्लैट से निकालने के लिए बुलानी पड़ी फायर ब्रिगेड

**सूरत।** गुजरात के सूरत शहर के पूणा गांव में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब डेढ़ साल का बच्चा खेलते-खेलते फ्लैट का दरवाजा लॉक करके अंदर फंस गया। मां ने दरवाजा खोलने की कोशिश की, पर नहीं खुला। इसके बाद फायर ब्रिगेड को फोन किया। मौके पर पहुँची फायर ब्रिगेड की टीम ने दरवाजे का लॉक खोलकर बच्चे को रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार, पूणा गांव में बीआरटीएस के सामने पटेल चैम्बर्स में रहने वाले धर्मेन्द्रभाई सहानी एम्ब्रॉयडरी के कारखाने में नौकरी करते हैं। वह सुबह ही कारखाने में काम करने गए थे और पत्नी पड़ोस में महिला के साथ बातचीत कर रही थी। वहीं, धर्मेन्द्र का डेढ़ साल

का बेटा धनंजय फ्लैट में खेल रहा था और अचानक दरवाजा लॉक कर दिया। कुछ देर बाद मां घर पहुंची तो उन्हें बेटा नहीं दिखा। जब उन्होंने बेटे को पुकारा तो उसने बताया कि, वह कमरे में हैं और दरवाजा लॉक हो गया है। इसके बाद माँ ने पूरी कोशिश की कि दरवाज़ा खुल जाये, पर दरवाजा नहीं खुला। घर में शोर की आवाज़ सुनकर आस-पड़ोस के लोग भी जुट गए। इसके बाद उन्होंने फायर ब्रिगेड को फोन किया। सूचना मिलते ही फायर ऑफिसर विनोद रोजीवाड़िया टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गए और दरवाजा खोलकर बच्चे की जान बचाई। फायर ऑफिसर विनोद रोजीवाड़िया ने बताया कि फ्लैट में लगे दरवाज़े का लॉक फंस गया था, इसी वजह से दरवाज़ा नही खुल रहा था।

### महिला ने पति के मालिक पर लगाया यौन शोषण का आरोप

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर शहर के सदर इलाके की रहने वाली एक महिला ने अपने पति के मालिक पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए पुलिस में केस दर्ज कराया है। महिला ने आरोप लगाया है पति जिस कारखाने में काम करता है, वहां के मालिक ने पहले खाने में कुछ नशीला पदार्थ मिलाया फिर उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। इस कृत्य के दौरान उसने कुछ अश्लील तस्वीरें निकाल ली और उन्हें वायरल करने की धमकी देकर पिछले तीन चार माह से यौन शोषण करता आ रहा है। हालांकि, महिला ने तंग आकर अब मामला दर्ज करा दिया है। वहीं, पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवा कर अब इस मामले में जांच आरंभ कर दी है। सदर बाजार थानाधिकारी बंशीलाल वैष्णव ने बताया कि, सदर इलाके की रहने वाली एक महिला (29) ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

### पश्चिम बंगाल विधानसभा में ममता बनर्जी सरकार ने कृषि कानूनों के खिलाफ पेश किया प्रस्ताव

## जय श्रीराम कहते हुए निकले बीजेपी विधायक

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने तीन कृषि कानूनों को निरस्त किए जाने की मांग को लेकर गुरुवार को विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया। वहीं, सदन में भारी हंगामे के बाद भाजपा विधायक जय श्रीराम का नारा लगाते हुए वॉकआउट किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र को इन तीनों कानूनों को वापस ले लेना चाहिए या सत्ता छोड़ देनी चाहिए। भाजपा के विधायकों के हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री पार्थ चटर्जी द्वारा प्रस्ताव रखने के बाद बनर्जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इन कानूनों को निरस्त करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। चटर्जी द्वारा प्रस्ताव पेश किए जाने के बाद विधानसभा में भारी हंगामा हुआ। भाजपा के विधायक दल के नेता मनोज तिग्गा के नेतृत्व में पार्टी के विधायक सदन में आसन के करीब पहुंच गए और दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार कानूनों के खिलाफ भ्रामक अभियान चला रही है। बाद में जय श्री राम का उद्घोष करते हुए तिग्गा के साथ पार्टी के विधायक सदन से बाहर चले गए। मुख्यमंत्री ने कहा, हम किसान विरोधी कानूनों का विरोध करते

हैं। हम इन्हें तुरंत वापस लिए जाने की मांग करते हैं। केंद्र को या तो तीनों कानूनों को वापस ले लेना चाहिए या सत्ता से हट जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पुलिस किसानों की ट्रैक्टर परेड को सही तरीके से नियंत्रित नहीं कर पायी, जिस कारण से गणतंत्र दिवस के दिन स्थिति हाथ से बाहर निकल गई। बनर्जी ने कहा, इसके लिए दिल्ली पुलिस को दोष देना चाहिए। दिल्ली पुलिस क्या कर रही थी? यह खुफिया तंत्र की नाकामी है। हम किसानों को गद्दार बताया जाना बर्दाश्त नहीं करेंगे। वे इस देश की संपत्ति हैं।

### राजस्थान का मोस्ट वॉन्टेड क्रिमिनल पापला गुर्जर 16 महीने बाद चढ़ा पुलिस के हत्थे

## एके-47 से फायरिंग करते हुए थाने से ले गए थे गुर्गे

**जयपुर।** करीब 16 महीनों से फरार चल रहा राजस्थान का मोस्ट वॉन्टेड क्रिमिनल पापला गुर्जर आखिर पुलिस के शिकंजे में आ गया है। जयपुर रेंज पुलिस ने गुरुवार को विक्रम गुर्जर उर्फ पाला को अलवर जिले में बेहरोर पुलिस थाना इलाके से गिरफ्तार किया। पुलिस महानिदेशक एमएल लाथर ने कहा, पापला को गिरफ्तार कर लिया गया है। वह 16 महीनों से फरार था। उन्होंने कहा कि जल्द ही और ब्योरे का खुलासा किया जाएगा। एक ही परिवार के 4 लोगों की हत्या का आरोपी हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के गांव खैरौली

का रहने वाला पपला गुर्जर अगस्त-2017 में पुलिस पर फायरिंग कर महेंद्रगढ़ से फरार हुआ था। इसके बाद से हरियाणा पुलिस गैंगस्टर पपला की तलाश कर रही थी। 5 सितंबर 2019 की रात पपला अलवर के बहरोड़ पुलिस के हत्थे चढ़ा, लेकिन अगले ही दिन सुबह बहरोड़ थाने में एके-47 और एके-56 जैसे आधुनिक हथियारों से गोलियां बरसाकर साथी बदमाश पपला को लॉकअप से निकाल ले गए। जिसके बाद पुलिस के साथ सरकार की भी काफी किरकिरी हुई। राजस्थान के अलवर, भरतपुर, धौलपुर, सीकर, झुंझुनूं और नागौर जिलों में कई स्थानीय बदमाश पपला के गिरोह में शामिल हैं।

## किसानों के मिशन लाल किला के बारे में सुरक्षा एजेंसियों को 20 दिन पहले से थी जानकारी?

**नई दिल्ली।** 26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर रैली के दौरान भड़की हिंसा को खुफिया तंत्र की नाकामयाबी बताया जा रहा है लेकिन सूत्रों की माने तो एजेंसियों को करीब 20 दिन पहले से ही यह अंदेशा था कि प्रदर्शनकारी लाल किले में सेंध लगा सकते हैं। जनवरी के पहले हफ्ते में इंटेलिजेंस ब्यूरो के स्पेशल डायरेक्टर की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय बैठक की गई थी। इस बैठक के दौरान यह ब्रीफिंग दी गई थी कि प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहरा सकता है। बैठक में इस स्थिति से निपटने के लिए प्रबंधों पर भी चर्चा की गई थी। मीटिंग में रॉ, एसपीजी, हरियाणा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा दिल्ली पुलिस के 8 शीर्ष अधिकारी, इंटेलिजेंस ब्यूरो के 12 टॉप ऑफिसर शामिल थे। अलगाववाददी संगठन स्वछ्छ साल 2007 में बना था। यह अमेरिका स्थित संगठन सिखों के लिए अलग खालिस्तान की मांग करता है। इससे पहले स्वछ्छ ने गणतंत्र दिवस के दिन लाल किले पर खालिस्तानी झंडा फहराने वाले के लिए 3 लाख 50 हजार डॉलर की इनाम राशि की घोषणा की थी। सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान यह भी चर्चा की गई कि थी कि लाल किले को 20 से 27 जनवरी के बीच बंद कर दिया जाए और इसको लेकर दिल्ली पुलिस से भी जवाब मांगा गया था। सुरक्षा एजेंसियों

को भी दिल्ली की ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व रखने वाली इमारतों पर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश थे ताकि कट्टरपंथी सिख और एसएफजे की ओर से किसी भी तरह की गलत गतिविधि को होने से रोका जा सके। एक शीर्ष अधिकारी ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, बैठक के दौरान अधिकारियों ने कहा कि सिख हर साल गणतंत्र दिवस को ब्लैक डे के तौर पर मनाते हैं और इस साल इन संगठनों के कई नेता देश में चल रहे किसान आंदोलन में मौजूद हैं। दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे किसानों को भी इन कट्टरपंथी नेताओं की तरफ से आर्थिक फंडिंग मिल रही है। 26 जनवरी को दोपहर 12 बजे के आसपास एजेंसियों को यह भी इनपुट मिला कि ट्रैक्टर रैली निकाल रहे किसान पीएम आवास, गृह मंत्री आवास, राजपथ, इंडिया गेट और लाल किले की तरफ भी बढ़ सकते हैं। यह मेसेज दिल्ली की सुरक्षा में लगे सभी पुलिस अधिकारियों को मिला था। पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रैक्टर रैली के दौरान भड़की हिंसा को लेकर दिल्ली पुलिस ने अभी तक इस मामले में 19 लोगों को गिरफ्तार किया है और 25 आपराधिक मामले दर्ज किए हैं। प्रदर्शनकारियों बैरिकेड तोड़कर दिल्ली में घुसे और कई इलाकों में हिंसा हुई। बता दें कि केंद्र के लाए तीन कृषि कानूनों के विरोध में बीते साल 26 नवंबर से ही दिल्ली के अलग-अलग बॉर्डरों पर किसान आंदोलन कर रहे हैं।

### लाल किले पर हुई हिंसा और

## धार्मिक झंडा लगाने के संबंध में राजद्रोह का केस दर्ज

> मंगलवार को किसानों के ट्रैक्टर मार्च के दौरान भड़की हिंसा के सिलसिले में दिल्ली पुलिस द्वारा अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 25 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। दिल्ली पुलिस कमिश्नर एस.एन. श्रीवास्तव ने बुधवार को कहा था कि 394 पुलिसकर्मी हिंसा में घायल और उनमें से कई अब भी अस्पतालों में भर्ती हैं। नए कृषि कानूनों के विरोध में अपनी ट्रैक्टर रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली में प्रवेश करने के लिए पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड्स तोड़ दिए थे और राजधानी के कई हिस्सों में जमकर तोड़फोड़ की की थी।

**नई दिल्ली।** दिल्ली पुलिस ने राजधानी में गणतंत्र दिवस के मौके पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान लाल किले पर हुई हिंसा और प्राचीर पर धार्मिक झंडा लगाने के संबंध में राजद्रोह का मामला दर्ज किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए (राजद्रोह) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने लाल किले पर हुई हिंसा के सिलसिले में दर्ज एफआईआर में पंजाबी अभिनेता दीप सिद्धू और गैंगस्टर से सामाजिक कार्यकर्ता बने लक्खा सिधाना के नाम भी शामिल किए हैं। केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों को रद्द किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को किसान यूनियनों ने ट्रैक्टर परेड निकाली थी और इस दौरान राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उस समय अराजकता की स्थिति पैदा हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स को तोड़ दिया और सुरक्षा बलों के साथ झड़प की, वाहनों को पलट दिया और लाल किले पर एक धार्मिक झंडा लगा दिया था।

**37 किसान नेताओं के खिलाफ नामजद एफआईआर-**

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार की हिंसा के लिए राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव, राजिंदर सिंह, मेधा पाटकर, बूटा सिंह, दर्शन पाल और बलबीर सिंह राजेवाल समेत 37 किसान नेताओं के खिलाफ समयपुर बादली थाने में एक एफआईआर दर्ज की है।

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोनः 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

## एक नजर....

## प्रधान, बीडीसी और जिला पंचायत सदस्यों की जमानत और चुनाव खर्च की सीमा तय

(सौरभ भार्गव)

### यूपी पंचायत चुनाव संग्राम

### राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव खर्च पहले की तरह बरकरार रखा तो वही जमानत राशि की तय

**मऊरानीपुर (झाँसी)** उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में माहौल बनाने का काम शुरु हो गया है। जिसमें प्रधान पद से लेकर बीडीसी सदस्य और जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशी अपने- अपने दावों को लेकर वोटरों के चबूतरों पर समय देने लगे है। इस बीच निर्वाचन आयोग की ओर से प्रत्याशियों के लिये एक सुकून भरी खबर मिल रही है। सूत्रों की माने तो इस बार राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रत्याशियों की जमा कराई जाने वाली जमानत राशि के साथ ही चुनावी खर्च के दायरे को नही बढाये जाने का फैसला किया है। आपको बता दे कि जो जमानत धनराशि पिछले चुनाव के दौरान विभिन्न पदों के लिये निर्धारित की गई थी। उसे ही इस बार भी बरकरार रखा जायेगा। खर्च की सीमा में भी कोई बदलाव नही किये जाने के संकेत मिल रहे है। बताया गया है कि राज्य निर्वाचन आयोग ने जो इस बार जमानत धनराशि और खर्च सीमा का निर्धारण किया है। जिला पंचायती राज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम प्रधान पद के लिये चुनाव लडने वाले लोगों को 2 हजार रुपये जमानत धनराशि जमा करनी होगी। इसके साथ ही सदस्य ग्राम पंचायत को 500 रुपये , क्षेत्र पंचायत सदस्य को 2 हजार रुपये और जिला पंचायत सदस्य के लिये 4 हजार रुपये जमानत धनराशि जमा करनी होगी। वही अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति, पिछ्डा वर्ग व महिला प्रत्याशी को सामान्य के लिये निर्धारित की गई जमानत राशि का आधा ही जमा करना होगा। निर्वाचन आयोग ने चुनावी खर्च की सीमा भी तय कर दी गई है। जो लोग चुनाव लडेंगे उनमें प्रधान पद के प्रत्याशियों के लिये 75 हजार, सदस्य ग्राम पंचायत के लिये 10 हजार, क्षेत्र पंचायत के लिये 75 हजार और जिला पंचायत सदस्य पद के लिये सर्वोधिक डेढ लाख रुपये चुनाव के दौरान खर्च करने की गाईड लाईन तैयार की गई है। बताया गया है कि प्रत्याशी का खर्च नामांकन करने के बाद से ही जोडा जाना शुरु हो जायेगा। आयोग की ओर से जारी निर्देशों के तहत नामांकन से लेकर परिणाम घोषित होने तक हुये व्यय का लेखा जोखा प्रत्याशी को तैयार रखना होगा। परिणाम घोषित होने के बाद तीन माह के भीतर खर्च का ब्योरा प्रत्याशी प्रस्तुत करेगें। निर्वाचन आयोग की ओर से पहले की तरह ही इस व्यवस्था को कायम रखा गया है। अभी तक इसमें नया किसी प्रकार का बदलाव नही किया गया है।

## खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास होता है: हेमन्त सेठ

**मऊरानीपुर (झाँसी)।** तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम चुरारी में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारम्भ जिला पंचायत सदस्य हेमन्त सेठ ने फीता काटकर किया। इस दौरान हेमन्त सेठ ने कहा कि ग्रामों में होने वाली ऐसी खेल प्रतियोगिताओं से ग्रामीण बच्चों का शारीरिक व मानसिंक विकास हुआ है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी हुयी प्रतिभाओं को आगे बढने का मौका मिलता है। क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच ग्राम खकोर व बम्हौरी के बीच हुआ। इस मौके पर भगवत साहू, महेन्द्र रावत, मोनू भदौरिया, अंजू तिवारी, बृजेन्द्र परिहार, कुलवंत सिंह चौहान, अरविन्द्र चौहान, संदीप परिहार, संजू कुशवाहा, पुरुषोत्तम दुबे, गौरव, दीपक, अजय सहित कई लोग मौजूद रहे।

## नेत्र परीक्षण कैम्प लगाया गया

**मऊरानीपुर (झाँसी)।** श्री हजारेश्वर मन्दिर विकास खण्ड के पास निःशुल्क नेत्र परीक्षण कैम्प लगाया गया। जिसमें 550 मरीजों का नेत्र परीक्षण सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के अनुभवी डॉक्टर राकेश गर्ग , डॉ. सत्येन्द्र अग्निहोत्री, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. शुभम् मिश्रा, डॉ. रामअवतार पाण्डेय, डॉ. मनोज गौतम, डॉ. ऋषि त्रिपाठी ने आँखों की जाँच की। आँखों में मोतियाबिन्द जिसमें 150 मरीजों को ऑपरेशन के लिये सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट भेजे गये। जिन्हें निःशुल्क दो बसों से भेजा गया। श्री हजारेश्वर सेवा समिति भगवत नारायण मोर, सन्तोष डेंगरे, हेमन्त बिलैया, किशुन लश्गरिया, पप्पू विश्वकर्मा, जगदीश प्रसाद मोर, कल्लू दाऊ, हरिशंकर गुप्ता, प्रकाश टेलर आदि लोग शामिल रहे। यह नेत्र परीक्षण कैम्प में सोशल डिस्टेंस का पालन किया गया । जो मरीज बाकी बचे उन्हें 22 फरवरी के कैम्प में भेजा जायेगा।

## बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को मिले फांसी : लक्ष्मी कौरव

**लहार( अर्पित गुप्ता)।** बालिका से दुष्कर्म के आरोपी को मिले फांसी यह बात आशा ऊषा और आशा सहयोगिनी संघ मप्र की प्रदेश अध्यक्ष व पुष्पांजली जनकल्याण फाउंडेशन की प्रदेश कोषाध्यक्ष लक्ष्मी कौरव ने कही।उन्होंने बालिका दिवस पर भिण्ड जिले के लहार में 05 साल की अबोध बालिका के साथ हुए दुष्कर्म की घटना का विरोध जताते हुए कहा कि हम सब दोषियों के विरुद्ध फांसी की सजा की मांग करते हैं।उन्होंने कहा कि देश में संविधान को लागू हुए 72 वर्ष हो चुके हैं लेकिन संविधान के द्वारा दिए गए अधिकारों का हनन होते हुए देखकर लगता नहीं की 72 वर्षों में कुछ बदलाव आया है।उन्होंने कहा कि अगर बेटियों के साथ ऐसा ही होता रहा तो जल्द ही हम प्रदेशभर की महिलाएं सड़क और उतरकर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

### मुकेश चौधरी का लहार आगमन आज

**लहार(अर्पित गुप्ता)।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश चौधरी प्रथम बार कल लहार आगमन पर पधार रहे है जिसके चलते कल बो अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बो कल सुबह 29 तारीख दिन शुक्रवार को अपनी यात्रा सुबह 11 बजे मेहदा से प्रारम्भ करेंगे रास्ते मे चोकी सरकार पहुँचकर पूजन अर्चन कर अपने काफिले को लेकर रोन,मिहोना होते हुए शाम 4 बजे लहार पहुचेंगे जहां जगह जगह उनका भव्य स्वागत किया जाएगा लहार नगर में नगर की ह्रदय स्थली लोहिया चोक पर प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश चौधरी एक सभा को सम्बोधित करेंगे उसके उपरांत बो भाजपा नेता संजीव चौधरी ठेकेदार निबास पर पहुँचकर लहार क्षेत्र की शान कालका चौधरी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर आसीर्बाद प्राप्त कर चौधरी निबास में अपने चहेतों के साथ भोजन करेंगे ।

## नाबार्ड के तत्वाधान में आइडियल संस्थान द्वारा परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया

रानी पाली नेनाराम सिरवी। पाली जिले के पाली पंचायत समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत।गुरडाई।नाबार्ड के तत्वाधान में आइडियल संस्थान द्वारा 15 दिवसीय डेरी फार्मिंग एवं केंचुआ खाद परीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत।गुरडाई से की गई। इस कार्यक्रम में राजीविका द्वारा संचालित समूह की 30हिलाओं को डेयरी फार्मिंग एवं केंचुआ खाद का परीक्षण किया जाएगा।कार्यक्रम का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं द्वारा संचालित उद्योग के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना। इस कार्यक्रम के वरिष्ठ अधिकारी विनोद दाधीच डीडीएम नाबार्ड।एम एल मेघवाल द्यड्डद्ध पाली की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम के दौरान विनोद दाधीच द्वारा नाबार्ड की अन्य योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें अन्य अधिकारियों द्वारा महिलाओं को डेयरी फार्मिंग के अलावा नाबार्ड संबंधित कई योजना की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस मौके पर पशु चिकित्सक डॉ दिनेश माथुर। आइडियल संस्थान के अध्यक्ष दिव्या मिश्रा। द्वारा महिलाओं को 15 दिवसीय कार्यक्रम के तहत होने वाले विभिन्न परीक्षण के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान



राजीविका के ब्लॉक मैनेजर अमर श्रीवास्तव उपस्थित रहे। नाबार्ड द्वारा पाली पंचायत समिति के ग्राम पंचायत रुपावास। डरी। नाबार्ड संस्थान द्वारा शिविर लगाकर महिलाओं को कई महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

## प्रदेश उपाध्यक्ष सांसद संध्या राय का गोरमी मंडल के कार्यकर्ताओं एबम महिला मोर्चा ने किया मेहगांव में जोरदार स्वागत



**संतोष भदौरिया रिपोर्टर**

गोरमी। अभी हाल ही में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बीड़ी शर्मा जी ने अपनी कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गई भिण्ड दतिया की लोकप्रिय सांसद संध्या राय के प्रथम आगमन पर भाजपा मंडल गोरमी के सैकड़ो कार्यकर्ताओ एबम महिला मोर्चा की बहिनो दुआरा मेहगांव पंडित होटल बहुआ पर अपने प्रिय नेता का जोरदार स्वागत किया। स्वागत करने वालो में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष सुधा कटारे पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सुनीता निर्मल आर्य मंडल महामंत्री निर्मल आर्य चेतन सिंह भदोरिया वरिष्ठ नेता गोकुल सिंह परमार पटेल यादव संतोष भदौरिया राजकुमार जैन बल्लू जैन विधिराम कटारे विजय कुशवाहा दिनेश यादव सुनीता आर्य गीता शर्मा सुधा कटारे बिहारी राजावत डॉ वेद प्रकाश शर्मा शिवराज परमार गुड्डी गुर्जर मालती जाटव अरविंद जैन आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## नियमों की ताक पर रख चयनित अतिथि शिक्षक को पद से हटाया

### मेरिट में चौथे स्थान पर रहे अभ्यर्थी को किया पदस्थ

**लहार( अर्पित गुप्ता)।** भिण्ड जिले के अनुविभाग का एक मामला ऐसा सामने आया है जिसमे प्राचार्य व जिला शिक्षा अधिकारी ने नियमो को ताक पर रख न सिर्फ नियमानुसार चयनित अभ्यर्थी को अतिथि विद्वान पद से हटाया बल्कि मैरिट में चौथे स्थान पर रही अभ्यर्थी को पदस्थ किया जोकि लोकशिक्षण संचनालय के नियमों को धता बताकर किया गया है प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय असवार में व्यूटी एन्ड बेलनेस के अतिथि व्यवसायिक प्रशिक्षक पद पर अध्यापन कार्य कर रही कु. वर्षा प्रजापति को 22 जनवरी 2021 को अचानक पद से नियम विरूध्द हटाकर मैरिट सूची में चौथे स्थान पर रही रजनी श्रीवास्तव को पदस्थ कर दिया जोकि नियम विरुद्ध लोकशिक्षण संचनालय के द्वारा व्यावसायिक प्रशिक्षक चयन गाइडलाइंस को ताक पर रख कर यह कार्य किया गया है कु. वर्षा प्रजापति ने प्रचार्य महोदय को एक आबेदन देकर अपने कार्य पर पुनर्विचार करने का निवेदन किया है यदि प्रार्थी के आवेदन पर विचार नही किया तो न्यायालय की शरण मे जाने को बाध्य हो जाएगी। जब इस विषय मे जिला शिक्षा अधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नही किया।

### इनका कहना

मैंने जो भी कार्यवाही की है वह जिला शिक्षा अधिकारी के आदेश पर की है , आगे वह जो भी निर्णय लेंगे में उसे मानने के लिए बाध्य हूँ।।

**भारत सिंह गौतम**
**प्राचार्य शासकीय हायर सेकेंड्री स्कूल असवार**

## तीन लाख रु.कीमत के गुमे हुए 20 एंड्रायड मोबाइल सायबर सेल दतिया पुलिस ने खोजकर मालिकों को किये सुपुर्द




**दतिया( अर्पित गुप्ता)।** श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय जिला दतिया अमन सिहं राठौड़ द्वारा गुम मोबाइल आवेदनों के निराकरण एवं मोबाइलों की रिकवरी हेतु जारी निर्देशों के पालन में, श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री कमल मौर्य के कुशल मार्गदर्शन में सायबर सैल प्रभारी उनि0 नरेन्द्र सिहं परिवार के नेतृत्व में सायबर सैल पुलिस टीम दतिया ने दतिया शहर व आस-पास के थाना क्षेत्रांतर्गत गुमने वाले 20 एंड्रॉयड मोबाइल कीमती करीबन 300000 (तीन लाख) रुपये के खोजकर रिकवरी किये जिनमें रेडमी नोट 7. रेडमी नोट 8, रेडमी, रियलमी, वीवो, ओप्पो, एमआई, माइक्रोमैक्स, सैमसंग, ऑनर आदि कंपनी व मोडल के मोबाइल सायबर सैल पुलिस टीम दतिया द्वारा रिकबरी किये गये उक्त मोबाइल के आवेदकों का विवरण निम्न है.
1. राजेश सोनी राजघाट कॉलोनी दतिया 2. नीतु पाल चूनागर फाटक दतिया 3. राजकुमार पासी दिनारा रोड दतिया 4. मोनु कुशवाह दतिया 5ऱ किशोरी सरन दतिया 6. शिवम ठाकुर दतिया 7. नाजिव अली साहनी मोहल्ला दतिया 8. अक्क्षेस श्रीवास्तव दतिया 9. संदीप गुप्ता गहोई कॉलोनी दतिया 10. दीपक सारस छोटा बाजार दतिया 11. प्रफुल्ल लकड़ा हनुमान गढी दतिया 12. राजेन्द्र सक्सेना पकौडिया महादेव दतिया 13. सुधीर गौतम हनुमान गढी दतिया 14. प्रवीण सेन शिवगिरि मार्ग दतिया 15. पवन लाल दतिया 16. राघवेन्द्र पुरानी जेल दतिया 17. श्रीकांत बडोखरी दतिया 18. राजेन्द्र दतिया 19. विश्वनाथ भाण्डेर दतिया 20. छत्रपाल सिंह यादव पुलिस लाइन दतिया । खोजे गये उत्त एन्ड्रॉयड मोबाइल श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय दतिया श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा मोबाइल मालिकों / आवेदकों को सुपुर्द किये गये। मोबाइल मिलने से आवेदकों के चेहरे पर खुशी नजर आई। मेहनत एवं लगन से उक्त मोबाइलों की रिकवरी मे उनि0 नरेन्द्र सिहं परिहार प्रभारी सायबर सेल आर. अनिल बगरैया, आर. शुभम यादव, आर. प्रवेन्द्र यादव, आर. दीपेश भार्गव , आर. अभिषेक जाट ,आर. रविन्द्र भदौरिया का सराहनीय योगदान रहा।

## नमो संघ टीम ने किया प्रदेश उपाध्यक्ष का जोरदार स्वागत

**अमित शर्मा**

ग्वालियर प्रथम आगमन पर भिंड दतिया लोकसभा सदस्य व भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष बहन संध्या राय का भारतीय नमो संघ प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा गौरव शर्मा ने अपनी टीम के स्वागत किया। स्वागत करने वालों में भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अभिषेक शुक्ला , प्रदेश उपाध्यक्ष गौतम तोमर, प्रदेश मंत्री वैभव दुबे, जिला अध्यक्ष ग्वालियर हर्ष जैन, जिला सचिव राहुल अग्रवाल, जिला महामंत्री कुनाल जैन, जिला सचिव राहुल गुर्जर एवं सैकड़ों कार्यकर्ता भाजपा एवं नमो संघ।

सीएम शिवराज सिंह चौहान के कार्यक्रम में

# युवक ने अपने ऊपर डाला मिट्टी का तेल और किया आत्मदाह का प्रयास

**देवास।** मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की बुधवार को यहां आयोजित आमसभा के दौरान एक व्यक्ति ने खुद को कथित तौर पर एक किसान बताकर अपने ऊपर मिट्टी का तेल डालकर और पीकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने व्यक्ति को उसके द्वारा माचिस जलाने से पहले ही पकड़ लिया और हिरासत में लेकर उसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगदीश डावर ने बताया कि आत्महत्या का प्रयास करने वाले 48 वर्षीय व्यक्ति की पहचान जिले के थाना पीपलरावां के कुमारिया गांव निवासी अनूप सिंह हाड़ा के तौर पर हुई है।

उन्होंने बताया कि इस व्यक्ति और इसके बच्चों के खिलाफ अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं और इस पर इनाम भी घोषित है। डावर ने बताया कि सीहोर जिले के जावर थाने की पुलिस ट्रैक्टर चोरी के मामले की जांच के दौरान इस व्यक्ति के तीन ट्रैक्टर संदिग्ध मानकर उठाकर ले गई थी। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर इसने पुलिस पर जबरन तीन ट्रैक्टर उठाकर ले जाने का आरोप लगाया है और बुधवार को मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित करने के लिये उनकी सभा में मिट्टी का तेल पीकर और स्वयं पर डालकर खुद को आग लगाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि पुलिस व्यक्ति को हिरासत में लेकर अस्पताल में उसका उपचार करा रही है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

## मुन्नवर फारूकी नहीं मिली राहत, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

नई दिल्ली। धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार हुए कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी और सह- अभियुक्त नलिन यादव की मुश्किलें कम होती दिखाई नहीं दे रही हैं। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दोनों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया। याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति रोहित आर्य ने कहा, अभी तक इकट्ठा किए गए सबूत बताते हैं कि व्यवसायिक लाइन पर कॉमेडी की आड में सार्वजनिक स्थान पर सोचे-समझे इरादे के साथ भारत के नागरिकों के एक वर्ग की धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए अभद्र बयान दिए गए हैं। कोर्ट ने ये भी कहा कि सद्भावना और भाईचारे का प्रचार करना हर नागिरक का फर्ज है। बता दें कि दोनों को ही दो जनवरी को एक कॉमिक शो में लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

कोरोना की नई गाइडलाइन जारी, 1 फरवरी से ज्यादा कैपेसिटी के साथ खुलेंगे

# सिनेमा हॉल, स्विमिंग पूल में सभी को रहेगी अनुमति

**भोपाल।** कोरोना के केस कम होने के बाद केंद्र सरकार ने अब कोरोना की नई गाइडलाइन जारी कर दी है। इसके बाद अब प्रदेश में मल्टीप्लेक्स व सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल 1 फरवरी से ज्यादा कैपेसिटी के साथ खुल जाएंगे। इसी के साथ सूचना प्रसारण मंत्रालय की स्ह्क जारी होने पर एक-दो दिन में गृह विभाग भी आदेश जारी करेगा। बता दें कि, सूबे में 15 अक्टूबर से मल्टीप्लेक्स व सिंगल स्क्रीन 50त्न कैपेसिटी के साथ खुले चुके हैं।

केंद्र सरकार ने बुधवार को कोरोना की नई गाइड लाइन जारी कर नए दिशानिर्देश दिए हैं। इस पर सरकार ने कहा कि, अब सिनेमा हॉल और थिएटर ज्यादा सिटिंग कैपेसिटी के साथ खोले जा सकेंगे। इससे पहले इन्हें 50त्न कैपेसिटी के साथ ही खोला जा सकता था। इसके अलावा स्विमिंग पूल में अब सभी को जाने की इजाजत होगी। इससे पहले केवल खिलाड़ियों को ही इसके इस्तेमाल की इजाजत दी गई थी। साथ ही केंद्र की गाइड लाइन के आधार पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एसओपी जारी करेगा। इसके बाद एक-दो दिन में गृह मंत्रालय इस संबंध में आदेश जारी कर देगा। गौरतलब है कि, केंद्र सरकार ने बीते 30 सितंबर को अनलॉक -5 की गाइड लाइन जारी की थी। जिसमें यहाँ बताया गया था कि, 15 अक्टूबर से सिनेमा हॉल 50प्रतिशत कैपेसिटी के साथ खोले जाने की अनुमति रहेगी। लेकिन इसमें केवल मल्टीप्लेक्स को खोले जाने की अनुमति थी न कि सिंगल स्क्रीन सिनेमा हॉल को। ऐसे में सिनेमा हॉल संचालकों का कहना था कि हम घाटे में फिल्म नहीं दिखा सकते हैं। हालांकि, वह चाहते थे कि सरकार उन्हें टैक्स में छूट दे। वहीं, बाद में प्रदेश के अधिकतर सिंगल स्क्रीन हॉल भी 50प्रतिशत कैपेसिटी के साथ खुल गए थे।

## गर्लफ्रेंड को लेकर हुआ विवाद फिर चली गोली एक महिला एवं युवक घायल

**भिण्ड(ब्यूरो रिपोर्ट)।** शहर के गोल मार्किट होटल के पास गर्लफ्रेंड को लेकर दो दोस्तों में हुआ विवाद , विवाद के बाद दूसरे दोस्त ने अपने अन्य साथियों को लेकर पहले तो उसकी लात घुसो से मारपीट की, उसके बाद कट्टे से फायर कर दिया, जिसमें उसके पैर में गोली लगी एव वहा तमाशा देख रही महिला को भी गोली के छर्रे लगे है, वही यह पूरी वारदात गली में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची सिटी कोतवाली थाना पुलिस ने फरियादी ईसू उर्फ रवि सोनी पुत्र शंकर सोनी के आवेदन पर आरोपी नानू शुक्ला प्रशांत जोशी तीन लोग अज्ञात निवासी चोर गली के विरुद्ध धारा 323,308,294,34भादवी के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास शुरू कर दिया है।

ग्राम फरदुआ में कांक्सी सरकार क्रिकेट का टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

## युवा हृदय सम्राट अम्बरीश शर्मा गुड्डू भैया ने खिलाड़ियों से परिचय कर किया मैच का शुभारंभ किया

**लहार(अर्पित गुप्ता)।** लहार भाजपा के पूर्व जिलाउपाध्यक्ष युवा हृदय सम्राट कद्दावर नेता अम्बरीष शर्मा गुड्डू शर्मा ने ग्राम फरदुआ पहुँचकर कांक्सी सरकार के महंत श्री श्री 1008 रामशरणदास जी महाराज की अध्यक्षता में चल रहे टूर्नामेंट का उदघाटन अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया ने खिलाड़ियों से परिचय कर फीता काटकर शुरू करवाया जिसमें आज का मैच जमुहाँ एवम दबोह के बीच खेला गया और दोनों टीमों की बेहतरीन बल्लेबाजी के चलते मैच समान स्कोर पर समाप्त हुआ जिसके बाद मैच जीतने के लिए सुपर ओवर खेला गया जिसमें जमुहा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए एक ओवर में 12 रन बनाए तो वही दबोह टीम अपने एक ओवर में एक विकेट खोकर एक रन ही बना पाई और जमुहा क्रिकेट क्लब ने जीत हासिल की ओर रमन पांडेय को युवा नेता अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया द्वारा मैन ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया इस मौके पर युवा नेता ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेलों से व्यक्ति की सोच में परिवर्तन होता है और जब बुद्धि का विकास होगा तो जरूर की देश का विकास होता है और उन्होंने सभी ग्राम वासियों ओर कमेटी के लोगो को ऐसे आयोजन के लिए धन्यवाद दिया इस मौके पर उनके साथ दबोह,आलमपुर,असवार,देवरी,घोरई एवम लहार के सेकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे इस मौके पर मैच के कॉमिन्ट्रेटर रामशंकर पाण्डेय दद्दू जमुहा प्रमुख रूप से मौजूद रहे । कांक्सी सरकार का आसीर्बाद लेने पहुँचे युवा नेता-युवा नेता अम्बरीष शर्मा गुड्डू भैया फरदुआ जा रहे थे तो सर्वप्रथम युवा नेता कांक्सी सरकार के दरबार में पहुँचे ओर सिद्ध पीठ हनुमानजी महाराज के दर्शन कर आसीर्बाद प्राप्त किया उसके उपरांत युवा नेता ने फरदुआ पहुँचकर कांक्सी सरकार के बैनर तले चल रहे टूर्नामेंट मैच का उद्घाटन किया ।

## सासंद व प्रदेश उपाध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत

**मोहन मांझी**

गोहद भिंड दतिया लोकसभा सदस्य व भारतीय जनता पार्टी की नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष सन्ध्या राय का भाजपा कार्यकर्ताओं ने अभूतपूर्व स्वागत किया। भाजपा गोहद अध्यक्ष विवेक जैन के नेतृत्व में गोहद चौराहा पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश उपाध्यक्ष का ढोल नगाड़े व आतिशबाजी के साथ स्वागत किया। स्वागत में मुख्य रूप से सुरेश बोहरे, अविनाश भटेले, रामसिया जाटव, भीकम कौशल, मेवाराम सगर, अशोक जैन, लाखन सिंह गुर्जर, प्रताप कुशवाह, महेश श्रीवास्तव, संजय झा, आशीष शर्मा, प्रदीप भारद्वाज, राजेश नागर, ललित अग्रवाल, सौरभ पाण्डेय, जुगल सोनी, लला कुशवाह, दिनेश श्रीवास, कौशल भटेले, प्रमोद कामत, विकाश जैन, रामु तोमर, विककी यादव, विकाश श्रीवास, पिंकी समर, अर्चना शर्मा, सुमन गुप्ता, मीना जाटव, प्रतिभा सोनी, रिंकू भटेले, धर्मेंद्र कंसाना, हरगोविंद जाटव, प्रशांत अग्रवाल, मयंक काकर, दशरथ घुरैया, शादी खान, अमरसिंह ओर भी एक सैकड़ा से अधिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

फरवरी के पहले सप्ताह में मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी

# कई नए चेहरे हो सकते हैं शामिल

**लखनऊ।** यूपी में विधानसभा उपचुनाव और द्विवार्षिक विधान परिषद चुनाव के संपन्न होने के बाद अब प्रदेश मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी तेज हो गई है। फरवरी के पहले ही सप्ताह में प्रदेश मंत्रिमंडल में उलटफेर हो सकता है। करीब आधा दर्जन नये चेहरे प्रदेश मंत्रिमंडल में शामिल होंगे। सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) से भी एक नया मंत्री बनाया जा सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार चार फरवरी तक हो जाने की चर्चाएं भी हैं। बुधवार को राजनीतिक गलियारे में मंत्रिमंडल विस्तार की खबरें चर्चा में रहीं। बताया जाता है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह शुक्रवार को दिल्ली में भाजपा केंद्रीय नेताओं से मुलाकात करेंगे, जिसमें मंत्रिमंडल के नए सदस्यों के नामों पर अंतिम रूप से फैसला लिया जा सकता है। यह चर्चाएं विधान परिषद की 12 सीटों पर चुनाव संपन्न होने के साथ ही शुरू हो गई थी, अब चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया है । माना जा रहा है कि भाजपा के केंद्र और प्रदेश के बड़े नेताओं ने मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले नये चेहरों के नाम करीब करीब तय कर लिए हैं। यह भी चर्चा है कि मौजूदा मंत्रिमंडल में शामिल तीन मंत्रियों को मंत्रिमंडल से मुक्त कर संगठन की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

चर्चाओं के मुताबिक गुजरात कैडर के आईएएस रहे मऊ निवासी अरविंद कुमार शर्मा जिन्हें हाल में भाजपा से एमएलसी बनाया गया है उनका मंत्री बनना तय है। इन्हें अहम विभाग दिए जा सकते हैं। वहीं एमएलसी में से किसी एक को मंत्री बनाने की चर्चा है। मंत्रिमंडल विस्तार में भी जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों का पूरा ख्याल रखा जाएगा।

## घने कोहरे के बीच 5 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई डुबकी

प्रयागराज। मोक्ष की कामना के साथ पतित पवनी गंगा, श्यामल यमुना और अन्त: सलिला स्वरूप में प्रवाहित सरस्वती के त्रिवेणी में माघ मेला के दूसरे पौष पूर्णिमा स्नान पर कोरोना और घना कोहरे के बीच 12 बजे तक करीब पांच लाख श्रद्धालुओं ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी। संगम में हालांकि भोर चार बजे से ही पौष पूर्णिमा स्नान शुरू हो गया था। लेकिन घना कोहरे के कारण स्नान घाट लगभग खाली पड़े थे। तड़के 4 बजे गिनती के ही श्रद्धालु गंगा तट पर नजर आ रहे थे। आठ बजे तक मुश्किल से 1.5 से 2 लाख लोगों ने डुबकी लगाई। धीरे धीरे भगवान भास्कर के उदयीमान होने से श्रद्धलुओं की भीड़ बढ़ने लगी और 12 बजे तक चार से पांच लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। पुलिस महानिरीक्षक केपी सिंह ने बताया कि दोपहर 12 बजे तक पांच लाख लोगों ने संगम में डुबकी लगाई। उन्होने बताया कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस, आरएएफ, कमांडो और पीएसी के जवान तैनात है। उन्होंने बताया कि मेला क्षेत्र में अवांछनीय तत्वों पर पुलिस की निगरानी बनी हुई है। फिलहाल मेला क्षेत्र में श्रद्धालु कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए दिखलाई पड़ रहे है। पुलिस लगातार मेला क्षेत्र में चक्रमण कर रही है। आपको बता दें कि हिंदू धर्म में पूर्णिमा का दिन खास माना जाता है। मगर पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा का अधिक महत्व है। मोक्ष की कामना रखने वालों के लिए यह दिन बेहद खास होता है। इस तिथि को सूर्य और चंद्रमा के संगम भी कहा जाता है, क्योंकि पौष का महीना सूर्य देव का माह होता है और पूर्णिमा चंद्रमा की तिथि है।

# कब्जे के विरोध में आत्मदाह का प्रयास, पूरा परिवार झुलसा

**कानपुर देहात।** कानपुर देहात के मूसानगर में मुक्तेश्वरी मंदिर के पास भाजपा नेता के निर्माण के विरोध में युवक ने हंगामा करने के बाद परिजनों के साथ आत्मदाह का प्रयास किया। पत्नी और उसके छह बच्चे गंभीररूप से झुलस गए। उनको बचाने के प्रयास में एक पुलिसकर्मी भी झुलस गया। जिला अस्पताल पहुंचे एसपी व सीडीओ ने इनसे पूछताछ की। प्राथमिक उपचार के बाद झुलसे लोगों को कानपुर रेफर कर दिया गया। मूसानगर बांगर में स्थित मां मुक्तेश्वरी देवी मंदिर के पास भाजपा नेता विजय सोनी ने जमीन खरीदी है। इस पर वह निर्माण कार्य करा रहे थे, जबकि वहीं पर रहने वाला गुलफाम उस जमीन को कब्रिस्तान भूमि बताकर विरोध कर रहा था। गुरुवार को निर्माण कार्य स्थल पर परिवार के साथ पहुंचे गुलफाम ने हंगामा करने के साथ ही वहां रखी शटरिंग में केरोसिन डालकर आग लगा दी। इसके बाद जल रही शटरिंग के पास उसने अपने व परिवार के सदस्यों पर केरोसिन छिड़क लिया। इससे गुलफाम (35) के अलावा उसकी पत्नी अजमेरन (30), बच्चे मसीहा (8), मोहिना (7), चांदतारा (5), सितारा (2), अतीक (10), महजबीं (13) भी आग की चपेट में आ गए। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

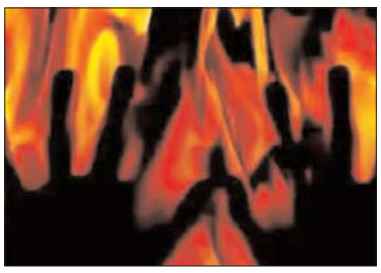

सूचना पर वहां पहुंचा पुलिस कर्मी सत्येंद्र कुमार आग की लपटों में घिरे बच्चों को बचाने के प्रयास में गंभीर रूप से झुलस गया। आग पर नियंत्रण करने के बाद पुलिस कर्मियों ने सभी को गंभीर हालत में उपचार के लिए भेजा। जिला अस्पताल में इनका डाक्टरों की टीम ने उपचार शुरू किया। यहां एसपी केशव कुमार चौधरी, सीडीओ सौम्या पांडेय, सीओ सदर संदीप सिंह व अकबरपुर कोतवाल तुलसीराम पांडेय के साथ मौके पर पहुंचे तथा झुलसे दंपति से पूछताछ की। उन लोगों ने आरोप लगाया कि अफसरों की शिकायत के बाद भी कब्रिस्तान की जमीन पर हो रहे कब्जा न रुकने से व कार्रवाई न होने पर उसने परिजनों के साथ आत्मदाह का प्रयास किया। प्राथमिक उपचार व अफसरों की पूछताछ के बाद सभी को कानपुर रेफर कर दिया गया। एसपी ने बताया कि दंपति ने बच्चों के साथ खुद ही आग लगाकर जान देने की कोशिश की है। मामले की छानबीन की जा रही है। जांच के बाद प्रभावी कार्रवाई होगी।

## नाबालिक के साथ हुआ दुष्कर्म दो आरोपियों के विरूद्ध हुआ मामला दर्ज

**लहार(अर्पित गुप्ता)** भिण्ड जिले के मिहोना थाना अंतर्गत हैवानियत का शिकार हुई नाबालिक बच्ची को दो युवको ने अपना शिकार बनाया मामला भिण्ड जिले के मिहोना थाना क्षैत्र का है उर्दु पढने के लिए स्कूल गई बच्ची को दरिंदों ने अपनी हवस का शिकार बना लिया है, परिजनो ने मिहोना थाना पहुंच कर आरोपियो के खिलाफ शिकायत की जिस पर मिहोना थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 363,366,366,376(डी)(ए)5/6 पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है पुलिस ने आरोपी इमरान खान को घटना के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया है एवम एक आरोपी बॉबी खान घटना के बाद फरार बताया गया है पुलिस उसकी तलाश में करने में लगी हुई है ।

## सिरवी इंडिया परिवार के वरिष्ठ समाजसेवी द्वारा निशुल्क ऊनी स्वेटर वितरण किए गए

**रानी पाली नेनाराम सिरवी।** निकटवर्ती ग्राम गुड़ा एंडला के राजकीय बालिका विद्यालय में सिरवी इंडिया परिवार के वरिष्ठ समाजसेवी एवं वरिष्ठ भामाशाह धर्मेंद्र सिरवी द्वारा बालिकाओं को निशुल्क स्वेटर वितरण किए गए। जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी धर्मेंद्र सीरवी द्वारा राजकीय बालिका विद्यालय में कोविड-19 की पालना करते हुए निशुल्क ऊनी स्वेटर वितरण किए गए। जिसमें प्रधानाचार्य भैराराम एवं राजकीय बालिका विद्यालय के अन्य कार्मिक गणमान्य ग्रामीणों की उपस्थिति में सिरवी इंडिया परिवार के वरिष्ठ समाजसेवी धर्मेंद्र सिरवी द्वारा 202 ऊनी स्वेटर वितरण किए गए। इस मौके पर पीराराम सिरवी। गेनाराम सिरवी उपस्थित रहे। राजकीय बालिका विद्यालय के प्रधानाचार्य भैराराम एवं बालिका विद्यालय के कार्मिकों द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी धर्मेंद्र सीरवी एवं उनके परिवार का शानदार बहू मान करके स्वागत किया गया।

## राजस्थानी प्रवासी ज्वैलरी कारोबारी की पत्नी व बेटे की हत्या पुलिस ने एक लुटेरे को मार गिराया तीन लुटेरे गिरफ्त में

**प्रेस नारायणलाल सैणचा**

तामीलनाडु-बुधवार तडके सिरकाली क्षैत्र में जो दोहरे हत्याकांड और लूट की घटना घटित हुई, उसकी सूचना मिलते ही प्रदेश संगठन के प्रदेशाध्यक्ष परम आदरणीय स्वामी तेजानंद महाराज, प्रदेश सचिव कालुराम सोलंकी,आवडी संगठन सचिव अतुल शर्मा और डेल्टा क्षैत्र के प्रभारी मनोजकुमार जैन पीडित व्यापारी धनराज जैन के घर(घटना स्थल) पहुंचे और उनसे मिलकर उन्हें संबल प्रदान किया और अपनी सहानुभूति प्रकट करके पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की इस घटना को अंजाम देने के लिए सुबह 6 बजे 4 बदमाश धनराजजी चौधरी के घर पंहुचे और घर में प्रवेश करके दरवाजे बंद कर दिये और लूट के इरादे से अचानक हमला कर दिया। हत्यारों ने धनराज चौधरी के हाथ पांव बांधकर टेप से मुँह सील कर दिया। फिर लूट के इरादे से सोने और रुपये पैसे की तलाश शुरु की घर में मौजूद धनराज की धर्मपत्नी आशा (45) और उनके सुपुत्र अखिल (24) ने हत्यारों का विरोध किया तो उन्होंने नृशंसता से माँ -बेटे पर धारदार हथियार से हमला करके निर्मम तरीके से मौत के घाट उतार दिया। उनकी पुत्र-वधु को भी हाथ पर चोटें आई। लेकिन उनकी जान बच गई हत्यारे घर में मौजूद 12.5 किलो सोने के गहने और 600000/-- रुपये लूटकर धनराज जैन की कार लेकर फरार हो गये। हत्यारों ने घर के केमरों और डी वी आर को भी तोड दिया। हत्यारों की समीपवर्ती इलाकों में इलेक्ट्रीकल्स,प्लाईवुड और ओटोमोबाइल्स की दुकाने हैं। वे बस से आये और घटना को अंजाम देकर धनराज की कार लेकर भाग गये हत्यारों ने कुछ दूरी तय करके कार खेत के पास रोकी और वहाँ मौजूद किसान से रास्ता भटकने की बात कही तब तक इस घटना और हत्या की सूचना स्थानीय पुलिस को मिल चुकी थी। पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी की और कार तक पहुंच कर हत्यारों को घेर लिया और सरेंडर करने को कहा हत्या और लूट में शामिल 4 आरोपियों में से 3 आरोपी भागने में कामयाब नहीं हो सके और पुलिस ने उन्हें धर दबोचा। पकडे गये आरोपियों में से 1ने पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश की। मजबूरन पुलिस को गोली चलानी पडी और उसका एनकाउंटर कर दिया 1 हत्यारा भाग निकला, जिसे पुलिस ने कुंभकोणम क्षैत्र से पकड लिया पुलिस ने हत्यारों से 2 पिस्टल, धारदार चाकु आदि बरामद किये और साथ ही 12.5 किलो सोने के आभूषण और 6 लाख नकद बरामद कर लिये संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंद महाराज,सचिव कालुराम सोलंकी, मनोजकुमार जैन और अतुल शर्मा ने पीडित व्यापारी धनराज से मिलकर घटना के प्रति अपना शोक प्रकट किया इन सभी संगठन पदाधिकारियों ने तिरुविरापल्ली रेंज के आईजी जयरामन आई पिएस और मायावरम जिला पुलिस अधीक्षक नाथजी आई पीएस से मुलाकात करके इस घटना के आरोपियों को तुरंत प्रभाव से पकडने और 1आरोपी को मुठभेड में मार गिराने के लिए आभार व्यक्त किया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष महोदय को लूट का सामान और नकद रुपये की जानकारी साझा की।

# राजपूत युवा विकास मंच ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर गौहद चौराहा पर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने मांग

**मोहन मांझी**

**गोहद।** राजपूत युवा विकास मंच के द्वारा गौहद चौराहे पर गोलंबर बनाकर महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाए जाने की मांग की है। राजपूत विकास मंच के द्वारा गोहद एसडीएम के नाम तहसीलदार रामजी लाल वर्मा को एक ज्ञापन सौंपा गया है ज्ञापन के माध्यम से राजपूत विकास मंच के कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि गोहद चौराहा पर एक गोलंबर का निर्माण किया जाए जिसमें क्षत्रिय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा स्थापित की जाए तथा स्टेशन रोड पर स्थित गेट का नामकरण क्षत्रिय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के नाम से किया जाए इसी प्रकार भिंड ग्वालियर रोड पर बारहेड रोड का नामकरण महाराणा आनंदपाल सिंह तोमर के नाम से किया जाए। राजपूत युवा विकास मंच के कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर रैली निकलते हुये गौहद तहसील में एसडीएम के नाम से तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया है। ज्ञापन सौंपते समय राजपूत युवा विकास मंच के सोनू तोमर, गोपेश जादौन, सचिन तोमर, लकी राजावत, धर्मेंद्र भदोरिया, मोनू तोमर, आनंद तोमर, पिंटू तोमर, कृष्णा तोमर, दीपक सिकरवार, रामबरन चौहान, गोपाल तोमर, सनी तोमर, राघव भदोरिया, अमन तोमर, सौरभ राजावत, राघव तोमर, सौरभ तोमर, संदीप तोमर, यस राजावत, गौरव तोमर, कुलदीप तोमर, विकास राजावत, रवि तोमर, शनि तोमर, हंसराज तोमर, मुकेश तोमर, हितेश भदोरिया, राहुल, गोलू, आकाश, नारायण, टिल्लू, कल्लू, आदि हैं।

## विनय तोमर बने युवा जनकल्याण सेवा समिति के जिला अध्यक्ष

**अमित शर्मा रिपोर्टर**

**ग्वालियर**-गोला का मंदिर क्षेत्र में इंद्रप्रस्थ गार्डन में युवा जन कल्याण सेवा समिति के जिला अध्यक्ष विनय तोमर को बनाया गया इस अवसर पर मंच पर विराजमान शिवनाथ सिंह कुशवाह राष्ट्रीय संरक्षण, शैलेंद्र सिंह कुशवाह वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी, राजकुमार सिंह सिकरवार जिला अध्यक्ष क्षत्रिय महासभा रामबाबू कुशवाहा, उपेंद्र सिंह परमार, जयदीप भदौरिया, लोकेंद्र मिश्रा, देवी सिंह राठौर ग्राहक पंचायत, राजू तोमर, प्रदीप सिंह सिकरवार राष्ट्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहे साथ ही सर्व सहमति से राष्ट्रीय सह सचिव युवा जनकल्याण सेवा समिति के शिवम सिंह भदौरिया ने विनय तोमर को ग्वालियर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया आज विनय का जन्मदिन भी था इस अवसर पर जन्मदिन की बधाई भी विनय तोमर बने युवा जनकल्याण सेवा समिति के जिला अध्यक्ष।

## सम्पादकीय

### चंचल का जाना

भजन गायक नरेंद्र चंचल की विदाई एक ऐसी क्षति है, जिसे संगीत की दुनिया में हमेशा महसूस किया जाएगा। एक ऐसी आवाज का मालिक हमारे बीच से चला गया है, जो हमें रूहानी सुकून से भर देता था। उनकी आवाज खैर हमेशा हमारे साथ रहेगी। एक ऐसी आवाज, जिसे दूर से ही थोड़ा-बहुत सुनकर पहचाना जा सकता है। हमारी फिल्मों ने तो उनकी आवाज के जादू का कमोबेश इस्तेमाल किया ही, मगर भजन-जागरण की दुनिया में वह एक सरताज थे। अमृतसर में जन्मे चंचल दिल्ली आ बसे थे और काफी दिनों से बीमार थे। शुक्रवार दोपहर 80 की आयु में वह दुनिया को अलविदा कह गए। पंजाबी परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन पर सबद शैली के बजाय सूफी शैली का ज्यादा प्रभाव था। दूर से आती और दूर तक जाने का एहसास कराती उनकी आवाज में एक आह्वान था, इसलिए भजन की दुनिया में उन्हें स्थान बनाने में बहुत वक्त नहीं लगा। उनकी आवाज में दर्द भी था और खुशी भी, पर उनसे भी ज्यादा गुहार। वही गुहार, जो सूफी गायकों में विशेष रूप से पाई जाती है। उनके गले को किसी इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग की जरूरत नहीं थी। अपने स्वाभाविक स्वरूप में ही उनका जादू लोगों को संगीत से सराबोर करता था। उन्हें केवल भजन-कीर्तन के लिए ही नहीं, बल्कि बुल्ले शाह जैसे सशक्त भक्त कवि की रचनाओं को आम लोक व्यवहार में लाने का भी श्रेय दिया जा सकता है। उन्हें 1973 में ज्यादा ख्याति राज कपूर की फिल्म बॉबी में गाए गीत, बेशक मंदिर मस्जिद तोड़ो... पर प्यार भरा दिल कभी न तोड़ो... के लिए मिली थी। इसके अगले ही साल आई फिल्म बेनाम में उन्होंने न केवल एक बेहतरीन गीत गाया, बल्कि गायक के रूप में अभिनय भी किया था। मैं बेनाम हो गया हिंदी फिल्मों के अमर गीतों में शामिल है। मोहम्मद रफी के साथ गाया गीत तूने मुझे बुलाया शेरा वालिये को भला कौन भूल सकता है? चंचल की आवाज का अगर विश्लेषण किया जाए, तो उनकी सबसे बड़ी खासियत आलाप है। लहराती सुरीली आवाज, जिसमें खनक की पुरजोर मौजूदगी अलग भाव पैदा करती है। अपेक्षाकृत पतली या मीठी आवाज सुनकर ऐसा लगता है कि आवाज विशेष रूप से प्रार्थना-निवेदन के लिए बनी है। व्यक्ति जब भाव में बहता है, उसे जब ईश्वर या देवी मां से किसी चीज की गुहार करनी पड़ती है, तब उसकी आवाज में अनायास एक जोर पैदा होता है, ताकि उसे तत्काल और दूर तक सुना जाए। इसलिए उत्तर भारत में रात्रि जागरणों, माता की चौकी इत्यादि में नरेंद्र चंचल की बहुत मांग रहती थी। उन्होंने न जाने कितने भजन गायकों को प्रेरित किया। एक भजन सम्राट के रूप में अनूप जलोटा को लोगों ने बाद में जाना, लेकिन उनके पहले नरेंद्र चंचल अच्छी तरह जम चुके थे। जहां अनूप जलोटा की आवाज में शास्त्रीयता गूंजती है, वहीं नरेंद्र चंचल की आवाज में लोक संगीत का वैभव बसता है। वह आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन हमेशा आम आदमी के भजन गायक बने रहेंगे। गायकों की आने वाली पीढ़ियां उनसे निरंतर सीखती रहेंगी। उनके भजन दूसरे गायकों को भी हमेशा प्रिय रहेंगे। जैसे अवतार फिल्म के लिए गाया उनका एक और गीत बहुत प्रसिद्ध है,चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है। अब यह गीत जब भी कोई गाएगा या सुनेगा, नरेंद्र चंचल की याद जरूर आएगी।

# आत्मनिर्भर भारत और मोदी का बजट

के. आर. सुधामन

**भारत का आम बजट तैयार करना एक कठिन कार्य है और फरवरी में आने वाला इस साल का बजट भी अलग नहीं होगा। अर्थव्यवस्था पर कोविड 19 महामारी के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से, वित्त मंत्री को परस्पर विरोधी मांगों को पूरा करने और विकास तथा अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धान्तों के बीच संतुलन रखने संबंधी चुनौती का सामना करना होगा। कई रेटिंग एजेंसियों ने 2021-22 वित्तीय वर्ष के लिए कम आधार पर,दोहरे अंक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।सीतारमण,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत एजेंडे को और बढ़ावा देंगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था को तेज विकास के पथ पर वापस लाने के लिए यही एकमात्र रास्ता है।**

रेटिंग एजेंसियों ने यह भी संकेत दिया है कि आने वाले वर्षों में सामान्य व्यापार दृष्टिकोण के तहत भी भारत को 6-6.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल हो जायेगी, यदि संरचनात्मक सुधारों को सख्ती से लागू नहीं भी किया जाता है। यदि भारत मोदी के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करना चाहता है,तो देश को लगातार 8-9 प्रतिशत की विकास दर बनाए रखनी होगी। यह तभी संभव है जब सीतारमण आत?मनिर्भर भारत के तहत अधिक वित्तीय प्रोत्साहनों की घोषणा करें, ताकि भारत में व्यवसाय स्थापित करने के लिए विदेशी कंपनियों को बढ़ावा मिले और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाया जा सके।



इस उद्देश्य के लिए सरकार ने तीन आत?मनिर्भर भारत वित्तीय पैकेज की घोषणा की, जो जीडीपी के लगभग 15 प्रतिशत के बराबर हैं। मेक इन इंडिया और आत?मनिर्भर भारत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और 2014 में पदग्रहण के बाद से यही मोदी का सिद्धांत रहा है। मोदी 1.0 ने अर्थव्यवस्था में आवश्यक प्लेटफार्म बनाकर इसकी नींव रखी। महामारी और भू-राजनीतिक स्थिति ने आत?मनिर्भरता के लिए आधार तैयार किया, क्योंकि विकास-दर में वृद्धि केवल विनिर्माण और कृषि क्षेत्र से आ सकती है। सेवा क्षेत्र, जो जीडीपी का लगभग 50 प्रतिशत है, करीब तीन दशक तक वर्चस्व कायम रखने के बाद उस स्थिति में पहुंच गया है, जहाँ बढ़ोतरी की संभावना न के बराबर है। आईटी हार्डवेयर का निर्माण एक बड़ा अवसर प्रदान करता है और सरकार ने आत?मनिर्भर भारत पैकेज के रूप में सही कदम उठाये हैं - आगामी बजट में रोजगार पैदा करने वाले उच्च तकनीक क्षेत्र से बहुत उम्मीद है। सार्वजनिक व्यय बढ़ाने के लिए अवसंरचना का विकास सबसे महत्वपूर्ण है और यह महामारी के दौरान लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था में आयी सुस्ती को कम करने के लिए भी आवश्यक है। आत?मनिर्भर पैकेज के हिस्से के रूप में, बजट से उम्मीद है कि मेक इन इंडिया के तहत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया जायेगा और देश में विकास को तेज करने तथा नौकरियों के सृजन के लिए अधिक मेट्रो रेल के साथ-साथ अधिक समर्पित फ्रेट कॉरिडोर और बुलेट ट्रेन परियोजनाओं की घोषणा की जायेगी। इससे श्रम आधारित विनिर्माण उद्योग को पुनर्जीवित किया जा सकेगा, जिसे राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, हवाई अड्डे और पोर्ट के विकास पर अधिक निवेश के साथ सार्वजनिक व्यय के माध्यम से भी प्रोत्साहन मिलेगा।

अर्थशास्त्रियों के एक वर्ग का विचार है कि लॉकडाउन और पिछले कुछ वर्षों में अर्थव्यवस्था की सामान्य मंदी के बाद, समय की जरूरत है कि लोगों के हाथों में अधिक पैसा देकर मांग में वृद्धि की जाए। लेकिन इसे क्रमबद्ध तरीके से किया जाना चाहिए, जैसा सरकार ने मनरेगा कार्यक्रम और एमएसएमई क्षेत्र के लिए वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से किया है। 40 प्रतिशत से अधिक निर्यात और 45 प्रतिशत विनिर्माण के साथ एमएसएमई क्षेत्र, अर्थव्यवस्था में रोजगार पैदा करने वाला प्रमुख क्षेत्र है। वर्तमान में, लोगों के हाथों में अधिक पैसा देना भी बहुत कारगर नहीं होगा, क्योंकि गरीब लोगों ने अपनी बचत का अधिकांश हिस्सा लॉकडाउन के दौरान खर्च कर दिया है। यदि सीधे उनके हाथों में अधिक पैसा दिया जायेगा, तो वे इसके अधिकांश हिस्से को बचत के रूप में सुरक्षित रख लेंगे। वे कम खर्च करेंगे, जिससे मांग में वांछित वृद्धि नहीं होगी। ऐसे में, मोदी सरकार द्वारा अपनाया गया एक बेहतर तरीका यह हो सकता है कि मनरेगा के माध्यम से अधिक ग्रामीण रोजगार दिए जाएँ तथा निःशुल्क खाद्यान्न, रसोई गैस आदि के माध्यम से सहायता प्रदान की जाए। इसका उद्देश्य ग्रामीण मांग को पुनर्जीवित करना है।कृषि सुधारों को आगे बढ़ाने से भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में भी मदद मिलेगी।

प्रति चक्रीय नीति के हिस्से के रूप में इस वर्ष पहले से ही व्यय में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लेकिन इससे भारत का राजकोषीय घाटा 2020-21 में जीडीपी के 7.2 प्रतिशत पर पहुंच जाएगा। राज्यों का भी राजकोषीय घाटा जीडीपी के 4 प्रतिशत से अधिक हो जायेगा, जिससे कुल उधार जीडीपी के 11 प्रतिशत तक पहुंच जाएगा। हालांकि, वित्त मंत्री को चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकार का सबसे बड़ा फायदा फिलहाल चालू खाता घाटे का निम्न या सकारात्मक स्तर पर होना है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार अपने उच्च स्तर पर है। यह उच्च राजकोषीय घाटे को कम करने का अवसर प्रदान करता है।

पिछले कुछ महीनों में अर्थव्यवस्था में आयी तेजी से 2021-22 में दोहरे अंक की विकास दर हासिल करने और कर राजस्व वृद्धि में मदद मिलेगी। सरकार के निजीकरण कार्यक्रम यानी विनिवेश और 5 जी नीलामियों से भी आगामी वर्ष में गैर-कर राजस्व में वृद्धि होने की संभावना है। इससे सीतारमण को राजकोषीय समेकन सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक व्यय को बढ़ाने का पर्याप्त मौका मिलेगा। वे अगले वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को 5 से 5.5 प्रतिशत तक सीमित रखकर व्यय को 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। कर राजस्व में अगले वर्ष 18 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है। बहुत सारे काम पहले से ही किए गए हैं, जैसे कॉर्पोरेट टैक्स की दर को कम करना, 13 क्षेत्रों में उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन देना और निवेश को आकर्षित करने के लिए कारोबार सुगमता में सुधार करना।

यहां तक कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी मोदी के आत्मनिर्भर भारत को एक महत्वपूर्ण पहल माना है। भारत सरकार ने विभिन्न वित्तीय राहत पैकेज और सुधार उपायों के जरिये प्राथमिक और द्वितीयक क्षेत्रों के लिए अवसर पैदा किए हैं और नए मौके बनाए हैं। आईएमएफ ने कहा है कि कृषि में मंडियों को समाप्त करने और विनिर्माण के लिए श्रम कानून को सरल बनाने से लोगों की आय बढ़ेगी। ऑटो और तकनीक समेत सनराइज सेक्टर के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन भी आत्मनिर्भरता से जुड़े हैं, क्योंकि यह घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नकद प्रोत्साहन से सम्बंधित है, जिससे रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

इसके अलावा, कारोबार सुगमता से भारत में एमएसएमई क्षेत्र के लिए एक स्थायी इको-सिस्टम का निर्माण होगा, जिससे नवाचार, कौशल विकास और रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा। अक्सर कहा जाता है कि हर संकट अपने साथ एक अवसर लेकर आता है। कोविड-19 महामारी अपने साथ भारत के लिए एक अवसर लेकर आई और मोदी ने इसे सही मायने में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के रूप में पहचाना। जब 2014 में मेक इन इंडिया की अवधारणा की घोषणा की गई थी, तो यह विचारों को जागृत करने में सफल रहा। अब उस विचार को पूरी तरह से लागू करने का उपयुक्त समय है। उम्मीद है कि सीतारमण आगामी बजट में उन बातों पर विशेष ध्यान देंगी, जिससे निवेशकों के भरोसे को मजबूती मिले।

(लेखक- स्वतंत्र पत्रकार है)

## वो शायर जो सबसे अलग हैं

जिसकी शायरी अपने बदन पर हिंदी का लिबास ओढ़ती है और जो अपने होंठों पर उर्दू की लाली लगाती है, उस शायर की पहचान न केवल गंगा-जमुनी तहज़ीब की मौजों की हिफ़ाज़त करना है बल्कि अपने मुल्क की गाँव-गलियों में घटने वाली हर दिन की मुसलसल परेशानियों के सबब को भी ज़ाहिर करना है। ऐसे अज़ीम शायर को हम और पूरी कायनात बेकल उत्साही के नाम से जानती है। हिंदी और उर्दू इस मुल्क में माँस में फँसी हुई नाखून की तरह है जिसे अलग करने की मुहीम का केवल एक मतलब है-दोनों को मौत इख्तियार करना। और दोनों जबानों को ज़िंदा रखने और उसे पालने-पोसने का काम किया है बेकल साहब की ग़ज़लों, नज़्मों, कतआतों और शेरों ने।

**अब न गेहूँ न धान बोते हैं**<br>
**अपनी क़िस्मत किसान बोते हैं**

**गाँव की खेतियाँ उजाड़ के हम**<br>
**शहर जाकर मकान बोते हैं**

शायर को अपने वक़्त के दुःख-दर्द, मौजूदा सामाजिक संघर्ष, अंतरव्यक्तिक उलझनों और अपनी जिम्मेदारियों को भी उसी कोशिश से लिखनी चाहिए जिस कोशिश से कोई शायर किसी की खूबसूरती और शफाकत को लिखता है। इन दोनों विधाओं में बेकल साहब को महारत हासिल थी। क्या कोई भूल सकता है बेकल उत्साही के उस कलाम को जिसे अहमद हुसैन और मोहम्मद हुसैन ने अपनी आवाज़ में पिरोकर लोगों के सामने प्रस्तुत किया और मोहब्बत की नयी तारीख लिख दी।

ज़ुल्फ़ बिखरा के निकले वो घर से<br>
देखो बादल कहाँ आज बरसे<br>
मैं हर इक हाल में आपका हूँ<br>
आप देखें मुझे जिस नज़र से<br>
फिर हुईं धड़कनें तेज़ दिल की<br>
फिर वो गुज़रे हैं शायद इधर से



बिजलियों की तवाजो में बेकल<br>
आशियाने बनाये शरर से

ये जादू है बेकल उत्साही की लेखनी का जो पाठकों के सर पर चढ़ कर बोलता है और आपको किसी और जहाँ में ले जाता है, जिसे आप पाने की कोशिश में थे लेकिन दुनिया के काम-काज में वो इच्छाएँ कहीं सिमट कर रह गई। बेकल साहब न केवल उदास दिलों को गर्माहट प्रदान करते हैं बल्कि जीने के नए शऊर और ज़िंदादिली की नई परिभाषाओं से भी परिचित करवाते हैं। बेकल साहब के पास अगर हुश्नों-इश्क़ पर लिखने की कला थी तो इससे कहीं ज्यादा वो अपनी शायरी से आम लोगों, गाँव , पनघट , खेत , ग्रामीण लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतों से भी रू-ब-रू कराने की है मुमकिन कोशिश में आमादा दिखते हैं। इन मुद्दों पर आप बेकल साहब की बेचैनी यक-ब-यक इन शेरों में महसूस कर सकेंगे।

**सलिल सरोज**<br>
**नई दिल्ली**

## गीत- शीर्षक...

क्यों तोड़ा अरमान को.....<br>
राजेंद्र कुमार सिंह

क्यों तोड़ा अरमानों को<br>
टुकड़े किये हजार<br>
कसम खाई थी साथ निभाने की<br>
बिखेर दिया किश्तों में तूने प्यार<br>
मेरे यार,दर्द दे गयी बेशुमार<br>
दर्द दिया तूने ऐसा<br>
जो आंसू बनकर छलके<br>
रोता रहता दिल मेरा<br>
और भींगी रहती पलकें<br>
ये कैसा खेला खेल<br>
घिरा अंधकार<br>
मेरे यार,दर्द दे गयी बेशुमार<br>
लायक नहीं था मैं तेरे<br>
क्यों डोरे डाली नाजनीन छोरी<br>
लहूलुहान किया अरमानों को<br>
बीच भंवर में लाकर दिल तोड़ी<br>
तोड़ दिया पतवार तूने<br>
ले जाकर बीच मंझधार<br>
मेरे यार,दर्द दे गयी बेशुमार<br>
क्यों तोड़ा अरमानों को<br>
टुकड़े किये हजार<br>
कसम खाई थी साथ निभाने की<br>
बिखेरा किश्तों में तूने प्यार<br>
मेरे यार,दर्द दे गयी बेशुमार

## बेरुखी का तेरी सबब, मैं परिंदा हूँ

बेरुखी का तेरी सबब, मैं परिंदा हूँ।<br>
बताऊं क्या तुझको मै कैसे जिंदा हूं।।<br>
हस्तियां मिट जाती हैं वक्त के साथ ।<br>
इंसानियत को रखता हूं साथ, वह बंदा हूं।। ।।<br>
जीते-जागते लोगों पर फेंकते हैं पत्थर ।<br>
जमाने की हरकत पर बेहद शर्मिंदा हूं।।<br>
बढ़ते नहीं हाथ लोगों के मदद के लिए ।<br>
देखता तमाशा कहता,मैं जिंदा हूं ।।<br>
मुड़कर उसने एक बार नहीं देखा मुझे।<br>
लोग कहते मैं उसका खास, चुनिंदा हूं ।।<br>
जख्मों में नमक तो छिड़कते है लोग संजीव ।<br>
फरेब से उनके दिए जख्मों का पुलिंदा हूँ।।

**संजीव ठाकुर रायपुर**

# गणतंत्र की मजबूती

अपनी तमाम विषमताओं और अनगिन विविधताओं के बावजूद भारतीय गणतंत्र विश्व में न केवल प्रशंसनीय, बल्कि अनुकरणीय भी है। भारतीय गणतंत्र की जब नींव पड़ रही थी, तब बहुत से लोगों ने इस आशंका का इजहार किया था कि भारतीय आपसी झगड़ों की वजह से एकजुट नहीं रह पाएंगे, लेकिन धीरे-धीरे भारतीय गणतंत्र ने यह सिद्ध कर दिया कि तमाम बाधाओं के बावजूद गणतंत्र ही भारत के लिए सबसे माकूल शासन व्यवस्था है। आजादी मिलने के बाद भारत को एकजुट रखने में गणतंत्र की भूमिका अतुलनीय है। तमाम संप्रदायों, जातियों, जनजातियों के बीच गणतंत्र की रोशनी देश के तमाम अंधेरे कोनों तक पहुंच चुकी है। लोगों में यह विश्वास है कि वे सरकार बना या गिरा सकते हैं। आज हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं, तो गौरव का एहसास होना बहुत स्वाभाविक है। उन महापुरुषों और राजनेताओं को जरूर याद कर लेना चाहिए, जिनकी वजह से इस देश में सामंती माहौल के बावजूद गणतंत्र स्थाई हुआ था। आज हम कमियां गिनाने बैठेंगे, तो हमें पता लगेगा कि हमारी आगे की यात्रा अभी बहुत लंबी है, मगर जब हम पीछे पलटकर देखेंगे, तब पाएंगे कि हमने ऐसा बहुत कुछ किया है, जिस पर हम गर्व कर सकते हैं। क्या इतना विशाल, इतना विविध, इतनी भाषाओं वाला कोई दूसरा गणतंत्र है? आज गणतंत्र के प्रति उसी समर्पण भाव की जरूरत है, जिसकी वजह से हम बड़ी बाधाओं को भी पार कर जाते हैं। आज भारतीय गणतंत्र एक बड़े निर्णायक मोड़ पर है। राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर एक आंदोलन ने डेरा डाल रखा है। आंदोलन में शामिल किसान भी परेड निकालेंगे। बेशक, उन्हें हक है, वे पुलिस की मंजूरी के साथ परेड निकाल रहे हैं। अनुशासन, संयम के साथ गणतंत्र का यह दिन अगर हम शांतिपूर्वक बिता पाए, तो यह हमारी बड़ी कामयाबी होगी। दुनिया में अनेक कथित गणतंत्र या तंत्र हैं, जहां सरकार से परे कोई ऐसे आयोजन की हिमाकत नहीं कर सकता। लोक के प्रति तंत्र की सहिष्णुता और तंत्र के प्रति लोक की समझदारी समय की मांग है। इस बुनियादी ज्ञान को दामन से लगाए रखना होगा कि तंत्र वास्तव में लोक की सेवा के लिए ही है। आर्थिक आपदा की वजह से लोक में उपजी गरीबी, बेरोजगारी वास्तव में तंत्र के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। लोक के दर्द और उसके भाव प्राथमिक हैं। लोक से परे जाते, लोक का उल्लंघन करते हुए कोई तंत्र कामयाब नहीं हो सकता। गणतंत्र दिवस मनाते हुए हमें एक बार अपने चारों ओर निगाह फेर लेनी चाहिए। क्या हमारे यहां पेश चुनौतियों की वजह से आस-पास पड़ोस के देशों को फन फैलाने का मौका नहीं मिल रहा है? क्या हमारे घरेलू संघर्ष दुश्मन के काम आ रहे हैं? क्या हमारे गणतंत्र पर लोगों को कभी-कभी शक नहीं होने लगता है? जब हम ऐसे सवालों के जवाब खोजेंगे, तब पता चलेगा कि अपने गणतंत्र की कमियों को दूर करना कितना जरूरी है। हमारा लोक मजबूत होगा, तभी तंत्र को मजबूती मिलेगी और जब तंत्र मजबूत होगा, तब देश सशक्त होगा। भारत की तेज विकासशीलता वापस लौटनी चाहिए। यह ईमानदारी से विचार का वक्त है। आज यह गलत सवाल आगे बढ़ने लगा है कि देश या तंत्र ने हमारे लिए क्या किया, जबकि हमें यह सोचना चाहिए कि हमने तंत्र या देश के लिए क्या किया? हमारी ऐसी सोच से ही गणतंत्र मजबूत होगा।

## twitter

मैंने आज संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के उच्च अधिकारियों के साथ लाल किले का भ्रमण किया। मैंने 2 निर्देश दिए है-तत्काल रिपोर्ट बनाई जाए और उसे गृह मंत्रालय को सौंपी जाए तथा तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए। रिपोर्ट आने के बाद बाकी चीजे स्पष्ट हो सकेंगी।

**प्रहलाद पटेल**, पर्यटन मंत्री

जो किसानों के नाम पर घड़ियाली आंसू बहा रहे थे उनका किसानों से कुछ लेना-देना नहीं था। वे अराजकता चाहते थे। उन्होंने 26 जनवरी को अराजकता कर शर्मसार किया।

**मुख्तार अब्बास नकवी**,<br>
केंद्रीय मंत्री

दिल्ली में उपद्रव को रोकने में असफल रहे गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर दिल्ली पुलिस उन उपद्रवियों पर मुकदमा दर्ज.करने की बजाय संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं पर मुकदमा दर्ज. कर भाजपा सरकार की साजिश को साबित करती है।

**रणदीप सिंह सुरजेवाला**, कांग्रेस

मैं कल की घटना से इतना दुखी हूं कि इस समय मैं चिल्ला बॉर्डर से घोषणा करता हूं कि पिछले 58 दिनों से भारतीय किसान यूनियन (भानु) का जो धरना चल रहा था उसे खत्म करता हूं।

**ठाकुर भानु प्रताप सिंह**<br>
अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन

## शादी के बाद पत्नी से जबरदस्ती सेक्स संबध बनाना शारीरिक शोषण नहीं तो ओर क्या है

अनपढ़, शराबी, गंवार तो समझे कि पत्नी को एक वस्तु ही समझते है, जब जी चाहा उपभोग कर लो। पर कहीं-कहीं पढ़े लिखे लोगों को भी ऐसा व्यवहार करते देखते या सुनते है तब मन आहत हो जाता है।मंगलसूत्र, चुटकी सिंदूर, सात फेरे, पवित्र मंत्रोच्चार और अग्नि की साक्षी के संग जुड़ा शादी का बंधन दो दिलों को एक ऐसे बंधन से जोड़ता है जिसमें एक लड़का और एक लड़की अपने साथी को एक यकीन के साथ खुद को सौंपता है। जब वो यकीन टूटता है तब एक सुंदर सा रिश्ता तार-तार होता है। पत्नी ताउम्र के लिए आपकी ही सौगात है, आपकी ही अमानत है फिर शारीरिक संबंध में हैवानियत और जबरदस्ती क्यूँ। पत्नी भी इंसान है उसकी भी पसंद नापसंद, मूड़ और मर्ज़ी होती है। किसी भी चीज़ का मज़ा तब है जब प्यार से मिले, छीना हुआ लम्हा बदबूदार और अनमना होगा। बिना इच्छा और उन्माद के एक लाश के साथ रिश्ता बनाने बराबर होता है। ऐसा करके आप अपनी साथी की नज़रों में खुद को गिरा लेते हो। जी हाँ पत्नी की नज़र में आप बलात्कारी ही कहलाते हो।कुछ साल पहले बीबीसी पर पच्चीस साल की एक लड़की ने इन्टरव्यू देते कहा कि शादी के बाद उनके पति ने कई बार उनके साथ बलात्कार किया और अब वह इंसाफ़ पाने की अदालती लड़ाई लड़ रही हैं। मैं हर रात उनके लिए सिर्फ एक खिलौने की तरह थी, जिसे वो अलग-अलग तरह से इस्तेमाल करना चाहते थे। जब भी



हमारी लड़ाई होती थी तो वह सेक्स के दौरान मुझे टॉर्चर करते थे। तबियत खराब होने पर अगर कभी मैंने ना कहा तो उन्हें वह बर्दाश्त नहीं होता था।भारत में वैवाहिक बलात्कारयानी मैरिटल रेप कानून की नज़र में अपराध नहीं है। यानि अगर पति अपनी पत्नी की मर्ज़ी के बगैर उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाता है तो उसे अपराध नहीं माना जाता। ये किस तरह का फैसला हुआ, महिला कि मर्ज़ी या मूड़ मायने ही नहीं रखता। शादी हो गई तो क्या चुटकी सिंदूर लाइसेंस बन जाता है औरतों के साथ जबरदस्ती करके प्रताड़ित करने का। महिला कोई भेड़ बकरी है जो लाठी की फ़टकार से उनसे कुछ भी करवा लह्र शादी का बंधन पवित्र बंधन होता है। एक दूसरे पर भरोसा और मान सम्मान के टीले पर टिका होता है रिश्ता। और एक दूसरे को उनकी पसंद नापसंद के साथ अपनाना चाहिए नां कि शादी की रस्म को मनमानी में बदल कर पत्नी पर आधिपत्य जताते हावी हो जाओ। फिर सेक्स सिर्फ़ तन का उन्माद शमन करने की क्रिया ही नहीं है, पति-पत्नी को भावनात्मक रुप से जोड़ती आनंद की चरम है। किसी एक की नामर्ज़ी और जबरदस्ती से जोड़ा गया संबंध बलात्कार ही कहलाता है, फिर चाहे जबरदस्ती करने वाला पति ही क्यूँ ना हो। इस बेतुके कानून को बदलने की मुहिम हर शादीशुदा औरतों को उठानी चाहिए। ये हर स्त्री के आत्मसम्मान का सवाल है। ये क्रिया भी घरेलू हिंसा की श्रेणी में ही मानी जाए तभी हर स्त्री के साथ न्याय होगा।

**भावना ठाकर, बेंगुलूरु)ंभावु**

# लग गया दाग

गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय राजधानी में जो घटित हुआ, वह न केवल दुखद, बल्कि निंदनीय भी है। गणतंत्र दिवस पर परेड या प्रभात फेरी की परंपरा है, लेकिन इस दिन अगर कोई मार्च या रैली निकाले, तो चिंता गैर-वाजिब नहीं। जो हुआ है, उसका अंदेशा था, लेकिन एक विश्वास भी था कि गणतंत्र दिवस की लाज कायम रहेगी। आज स्वयं किसान नेता कह रहे हैं कि हमारा आंदोलन कलंकित हुआ है। बड़ी संख्या में किसान सरकार की मर्जी के खिलाफ गए हैं। जगह-जगह पुलिस द्वारा लगाई गई बाधाओं का टूटना गवाही दे रहा है कि किसान एकमत नहीं हैं। उन किसान नेताओं को अवश्य घेरे में लेना चाहिए, जिन्होंने खुद किसान नेताओं की जुबान का मखौल उड़ाया है। भले किसानों या उनके नेताओं की मंशा ठीक रही हो, लेकिन मनमर्जी से मार्च निकालने से जो संदेश गया है, उसके निहितार्थ गहरे हैं, जिसकी विवेचना आने वाले अनेक दिनों तक होती रहेगी। अव्वल तो एकजुट दिख रहे किसानों में फूट पड़ चुकी है और इसके साथ ही यह आंदोलन अपना बहुचर्चित गरिमामय स्वरूप खो चुका है। एक तरफ किसान नेता कह रहे हैं कि असामाजिक तत्वों ने आंदोलन को बिगाड़ दिया, वहीं कुछ किसान नेता लाल किले के दृश्य देखकर खुशी का इजहार रोक नहीं पा रहे। किसी को यह प्रदर्शन दुर्भाग्यपूर्ण लग रहा है, तो कोई अभिभूत है। अब किसानों को पहले परस्पर बैठकर आगे के आंदोलन की दिशा तय करनी पड़ेगी। पुलिस और किसान नेताओं ने जो रास्ता तय किया था, वह रास्ता पीछे छूट चुका है, उस पीछे छूटे रास्ते पर लौटने के लिए किसानों को नए सिरे से जोर लगाना पड़ेगा। दूसरा, अब यह प्रश्न खड़ा हो गया है कि सरकार आगे की बातचीत किससे करे? आगे की राह अनुशासित किसान तय करेंगे या अनुशासन की पालना न करने वाले? एक आंदोलन का संयम और भरोसा टूटा है, तो उसकी भरपाई कैसे होगी, दिग्गज किसानों और उनके कर्णधारों को ही बैठकर तय करना होगा। तीसरा, किसान अपनी मांगों पर पहले से ज्यादा अड़ेंगे और सरकार के सामने उन्होंने अपनी हदों का प्रदर्शन कर दिया है। जो हो चुका, उसे लौटाया नहीं जा सकता और न लाल किले के दृश्य जल्दी भुलाए जा सकते हैं। अक्सर आंदोलनों में देखा गया है कि हदें दर हदें टूटती चली जाती हैं। अब किसान नेताओं की चुनौती दोगुनी हो गई है, क्योंकि उनकी विश्वसनीयता और प्रासंगिकता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

# प्रनूतन को देखकर लोग उन्हें हमेशा उनकी दादी से तुलना करते हैं

प्रनूतन को देखकर लोग उन्हें हमेशा उनकी दादी से तुलना करते हैं। वहीं जब दो साल पहले एक फ्रूट जूस के विज्ञापन में वह दिखीं थीं तब लोगों को उनकी दादी नूतन की छवि उनमें दिखी थी। वहीं उन्होंने बॉलीवुड में फिल्म नोटबुक से डेब्यू किया था। बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस नूतन की पोती और एक्टर मोहनीश बहल की बेटी प्रनूतन बहल अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरों के चलते सुर्खियों में बनीं हैं। प्रनूतन की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। वहीं अबतब इन फोटोज को हराजों बार से ज्यादा देखा जा चुका है। एक्ट्रेस प्रनूतन बहल सोशल मीडिया मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों से इंटरनेट पर छाई रहती हैं। वहीं उनके फैंस भी उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद करते हैं। इसी बीच प्रनूतन ने अपनी कुछ बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका ग्लैमरस लुक देखते ही बन रहा है। शेयर की गई फोटोज में प्रनूतन बॉडीकॉन के साथ कोट पहने नजर आ रही हैं। वहीं इस फोटोशूट के दौरान वह अलग–अलग पोज दे रहीं हैं। फोटोज में उनका लुक देख फैंस दीवाने हो रहे हैं। आपको बता दें कि प्रनूतन को देखकर लोग उन्हें हमेशा उनकी दादी से तुलना करते हैं। वहीं जब दो साल पहले एक फ्रूट जूस के विज्ञापन में वह दिखीं थीं तब लोगों को उनकी दादी नूतन की छवि उनमें दिखी थी। वहीं उन्होंने बॉलीवुड में फिल्म नोटबुक से डेब्यू किया था। सलमान खान के प्रोडक्शन हाउस में बनी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी। लेकिन फिल्म में प्रनूतन की एक्टिंग को लेगों ने खूब सराहा।

# अनन्या पांडे और विजय देवरकोंडा की फिल्म लीगर के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग जल्द होगी शुरू

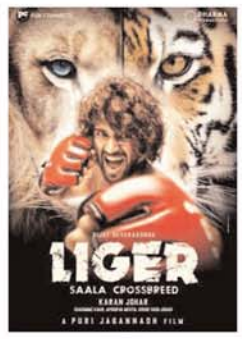


बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे इन दिनों विजय देवरकोंडा के साथ अपनी आगामी फिल्म लीगरके साथ खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। यह एक एक्शन एंटरटेनर फि ल्म है जिसमें अनन्या एक बिल्कुल अलग रोल में नजर आएंगी। वहीं इसी बीच अब इस फिल्म को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आई है। दरअसल फिल्म के शूट शेड्यूल के बारे मे खबरें हैं कि ,अनन्या फरवरी के दूसरे सप्ताह में लीगर का अगला शूट शेड्यूल शुरू करेगी। फि ल्म की शूटिंग मुंबई में होगी। अनन्या अपने डेब्यू के बाद से ही छाई हुई हैं जिसने दर्शकों के दिलों पर अपनी एक मजबूत छाप छोड़ दी है। लीगर के साथ विजय के साथ पहली बार काम करने जा रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन पुरी जगन्नाथ कर रहे हैं और इसे प्रोड्यूस करण जौहर अपने बैनर धर्मा प्रोडक्शन्स तले करेंगे। फिल्म में एक्टर विजय देवरकोंडा और अनन्या के साथ रोनित रॉय, राम्या कृष्णन, विशु रेड्डी और मकरंद जैसे कई पॉपुलर स्टार्स देखने को मिलने वाले हैं। इस फिल्म को 5 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। इसे हिंदी के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा। बता दें कि लीगर के अलावा, अनन्या जल्द दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ शकुन बत्रा की अगली फिल्म में भी दिखाई देंगी। साल 2020 में अनन्या की फिल्म खाली-पीली रिलीज हुई थी।

# मोनालिसा ने अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरा

**मोनालिसा ने भोजपुरी सिनेमा छोटे पर्दे से लेकर बंगाली सिनेमा तक अपनी एक्टिंग का जादू बिखेरा है। वह टीवी शो नजर में अपनी एक्टिंग से लोगों को काफी प्रभावित कर चुकी हैं। इस शो में उन्होंने निगेटिव रोल प्ले किया। इसके बावजूद उनका ये किरदारा काफी पॉपुलर रहा।**

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की हॉट एंड बोल्ड एक्ट्रेसेस में शुमार मोनालिसा ने अबतक कई हिट भोजपुरी फिल्मी दी हैं। वहीं मोनालिसा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन मोनालिसा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस की कई खूबसूरत और बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनीं हुई हैं। इन तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। मशहूर अदाकारा मोनालिसा की नई फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर हंगामा मचा रही है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड अंदाज एक बार फिर उनके फैंस को दिवाना बना रहा है। एक्ट्रेस ने अपने बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम आकाउंट पर शेयर की है। लोगों को मानोलिसा की लेटेस्ट तस्वीरें बेहद पसंद आ रही है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि वह सिल्वर कलर की नाइट ड्रेस में बेड पर अलग-अलग पोज देती नजर आ रही हैं। वहीं वह इन नो मेकअप तस्वीरों में बेहद प्यारी लग रही हैं। मोनालिसा की शेयर की गईं उनकी लेटेस्ट तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर अब तक लाखों लाइक्क मिल चुके हैं। वहीं फैंस कमेंट कर उनकी खूबसूरती की जमकर तारीफ कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं है जब मोनालिसा की फोटो इंटरनेट पर छाई हुई है। उनकी हर तस्वीर सोशल मीडिया पर आते ही वायरल हो जाती है। मोनालिसा ने एक नहीं, बल्कि अपनी तीन नई फोटोशूट शेयर की हैं। बता दें कि मोनालिसा के इंस्टाग्राम पर 41 लाख फॉलोअर्स हैं। इस वजह से मोनालिसा भी अपने फैंस के लिए हमेशा इंस्टाग्राम पर एक्टिव रहती हैं। मोनालिसा इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के लिए हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटो शेयर करती ही रहती हैं।

# मैं हमेशा से एक्टिंग का भूखा रहा हूं: बॉबी देओल

**बॉबी के कॅरियर के लिए साल 2020 खास रहा। इस साल उनके क्लास ऑफ 83 और आश्रम जैसे प्रोजेक्ट रिलीज हुए, जिन्होंने उनके काम को तारीफें दिलाई।**

- **एक टिप इस इंडस्ट्री में आए हुए सभी न्यूकमर के लिए**
- बॉबी- मैं अक्सर ऐसे लोगों से मिलता हूं जो इंडस्ट्री में नए आए हैं, यंग टैलेंट हैं। मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि मुश्किलें जरूर आएंगी लेकिन आपको बहुत स्ट्रॉन्ग रहना पड़ेगा। स्ट्रगल हर एक्टर के जीवन का हिस्सा है लेकिन कभी भी स्ट्रगल के सामने घुटने मत टेकिए। अपने काम के प्रति ईमानदार रहें और बस हार्ड वर्क करते रहें। सिर्फ और सिर्फ लक के सहारे मत रहें क्योंकि कड़ी मेहनत ही आप की कुंजी है। मैंने भी अपने कॅरियर में बहुत स्ट्रगल किया है, उतार चढ़ाव देखा है। एक वक्त ऐसा आया था जब मैं अपने कैरियर को गिव अप कर चुका था लेकिन मेरा अनुभव सिर्फ यही सिखाता है कि आप कभी हार मत मानो।
- **सुशांत की मौत के बाद फिल्म इंडस्ट्री में छिड़ी इंसाइडर और आउटसाइडर का डिबेट पर क्या कहेंगे।**
- मेरे पिता धर्मेंद्र एक आउटसाइडर थे। वह एक्टिंग करना चाहते थे और घर से भागकर मुंबई आए थे। उन्होंने सालों-साल स्ट्रगल किया ताकि वे अपना एक मुकाम बना सकें। हां, मैं मानता हूं कि अगर कोई बच्चा सेम प्रोफेशन को अपनाना चाहता है तो पहला कदम उसके लिए आसान होता है। पहली फिल्म मिलना मुश्किल नहीं होती लेकिन उसके बाद आप की एक्टिंग, आपकी मेहनत ही आपको आगे लेकर जाती है। चाहे आप कितनी ही पावरफुल फैमिली से ताल्लुक रखते हों, वह आपके कॅरियर को आगे नहीं बढ़ा सकती। जो मौके मिलते हैं उस पर खरा उतरने का काम एक्टर का है।
- मुझे भी पहली फिल्म मेरे पिता ने दिलवाई और मुझे लॉन्च किया लेकिन उसके बाद जो फिल्में मुझे मिली हैं वह मेरे दम पर ही मिलीं। मेरी मेहनत से मिली हैं। इसीलिए कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है। मैं तो एक इनसाइडर हूं फिर मेरे कॅरियर में इतना खराब समय कैसे आया। जब मुझे फिल्में मिलीं बंद हो गईं। मैंने गिव अप कर दिया। मुझे काम मिलना बंद हो गया। लेकिन मैं फिर उठ खड़ा हुआ। मैंने लोगों के दरवाजे खटखटाए ताकि मुझे काम मिल सके और आज मैं जहां भी हूं मैं खुश हूं।
- बॉलीवुड सेलिब्रिटीज को सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहें हैं। वे सोशल हैरेसमेंट का शिकार हैं आप क्या सोचते हैं।
- बॉबी- मैं कभी अपने इंस्टाग्राम पर या बाकी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाकर अपने कमेंट्स नहीं पढ़ता, क्योंकि हर इंसान का अपना ओपिनियन होता है। अपनी सोच होती है। हर इंसान आप से नफरत नहीं करेगा लेकिन हर इंसान आपको प्यार भी नहीं करेगा। मैं इस चीज का शुक्रगुजार हूं कि मुझे लोगों से प्यार ज्यादा मिला है और नफरत कम। लोगों का मुझपर यकीन है यही बात मेरे लिए मायने रखती है। खूबसूरती तो देखने वाले की आंखों में होती है मैं यही मानता हूं।
- **एक्टिंग से कुछ समय ब्रेक लेने के बाद दोबारा आने का फैसला कैसे लिया अपने कॅरियर में टर्निंग प्वाइंट किस फिल्म को मानते हैं**

मैं हमेशा से एक्टिंग का भूखा रहा हूं। मैं अलग किरदारों को करने की कोशिश करता हूं, लेकिन मेरी जिंदगी का टर्निंग प्वॉइंट है रेस 3। मैं जानता था सलमान खान एक बहुत बड़े स्टार हैं और अगर उनकी फि ल्म में करूंगा तो इस देश के लोग मुझे जानेंगे, पहचानेंगे मेरे रोल को देखेंगे और यह जानेंगे कि बॉबी देओल नाम का भी कोई एक्टर है। अगर देखा जाए आज की जनरेशन ने मेरा काम काफी समय से देखा नहीं है। उसके बाद मुझे अक्षय कुमार के साथ हाउसफुल फिल्म मिल गई। रेस 3 के बाद से मुझे कई सारे अच्छे रोल ऑफर होने लगे।

- **आप अक्सर इंटीमेट सीन करने से बचते हैं। आश्रम वेब सीरीज में ऐसे सीन देने में कितना असहज महसूस कर रहे थे**

मैं अक्सर ऐसे सीन देने से बचता हूं लेकिन क्योंकि यह मेरे किरदार की डिमांड थी इसीलिए मैंने निभाया हालांकि मैं बहुत नर्वस था और अनकम्फर्टेबल भी था। लेकिन मुझे पता था कि अपने कैरेक्टर के साथ मुझे जस्टिस करना था।

- **बैच ऑफ 83 फिल्म में आप कॉलेज के डीन के रूप में नजर आ रहे हैं जो बहुत स्ट्रिक्ट है लेकिन क्या कभी अपने स्कूल के दिनों में आपने रूल्स तोड़े हैं**
- मुझे हमेशा से फुटबॉल खेलने का बहुत शौक था। स्कूल जाने से पहले मैं फुटबॉल खेलने जाया करता जिस वजह से मैं अक्सर लेट हो जाता था। असेंबली में लेट पहुंचता था। बाहर ही स्कूल के सामने विक्रम भट्ट खड़े होते थे जो दरअसल मेरे दोस्त थे पर फिर भी मुझे मेरी डायरी में रिमार्क दे दिया करते थे। इसके अलावा मैं बचपन में काफी मोटा था इस वजह से मुझे अपनी शर्ट टक इन करना पसंद नहीं था लेकिन हमारी सुपरवाइजर हमेशा मुझे इस बात पर डांटा करती थी। मैंने क्लास रूम में कभी कोई शैतानी नहीं की।

## शहनाज गिल का बर्थडे

# रुमर्ड बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ शुक्ला ने किया सेलिब्रेट

बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट रहीं शहनाज गिल 27 जनवरी को 27 साल की हो गईं हैं। इस मौके पर उनके रुमर्ड बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ शुक्ला ने कुछ अलग अंदाज में उनका बर्थडे सेलिब्रेट किया। सेलिब्रेशन के कुछ वीडियो शहनाज ने सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं। वीडियो में शहनाज ने पहले तो केक काटा और फिर सिद्धार्थ और उनके एक दोस्त ने उन्हें पकड़ कर 27 तक गिनती गिनी और उसके बाद उन्हें पूल में फेंक दिया।

### सिद्धार्थ के साथ किया बर्थडे सेलिब्रेट

शहनाज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें वे काफी एक्साइटेड नजर आ रही हैं।उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला, उनकी मां रीता शुक्ला और अपने परिवार वालों के साथ बर्थडे केक काटा। शहनाज ने सभी को केक काटते हुए बर्थडे सॉन्ग गाने को भी कहा। केक काटने के बाद, शहनाज सिद्धार्थ को पहला टुकड़ा खिलाने के लिए आगे बढ़ीं, लेकिन सिद्धार्थ ने उन्हें अपने परिवार वालों को केक खिलाने को कहा। फिर सिद्धार्थ उन्हें स्विमिंग पूल पर पकड़ कर ले गए और 27 तक गिनती गिनने लगे और उसके बाद उन्हें पूल में फेंक दिया।

### फैन्स ने भी किया विश

वीडियो को शेयर करते हुए शहनाज ने लिखा, लव यू ऑल। उन्हें सोशल मीडिया पर उनके सभी फॉलोअर्स की ओर से बर्थडे विशेज मिलीं। किसी फैन ने लिखा हैप्पी बर्थडे बेबू लॉट्स अफ लव तो वहीं एक फैन ने लिखा अवर फेवरेट सेलिब्रेटिंग टूगेदर। शहनाज और सिद्धार्थ की मुलाकात रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 13 में हुई थी। दोनों ने साथ में कुछ म्यूजिक वीडियो में भी काम किया है।

## न्यूज. ब्रीफ

### इंडोनेशिया में ईरान का तेल टैंकर जप्त

**जकार्ता।** इंडोनेशिया में पनामा और ईरान का झंडा लगाए हुए एवटी हॉर्स लगे ईरान के तेल टैंकर को जप्त किया गया है इंडोनेशिया के तट रक्षकों ने बिलमेंटाइन प्रांत के जल क्षेत्र में यह कार्रवाई की है। जप्त टैंकर में अवैध ढंग से तेल दूसरे जहाज में खाली किया जा रहा था कोस्ट गार्ड ने बताया कि सुबह जवान गश्त पर निकले उस समय उन्होंने इस जहाज की यह हरकत देखी जहाज पर मौजूद पुणे झंडे ऐसे लगा रखे थे ताकि वह दूर से दिखाई नहीं पड़े।

### पुणे में भूकंप का हल्का झटका, जानमाल का नुकसान नहीं

**पुणे।** पुणे जिले में 2.6 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। अच्छी बात यह है कि अभी तक जानमाल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है।अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट में कहा गया कि भूकंप का झटका मंगलवार को शाम सात बजकर 28 मिनट पर महसूस किया गया। इसका केंद्र पुणे से 21 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित पुरंदर तालुका में 12 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

### भारत में कोरोना के पिछले 24 घंटों के दौरान 9,102 पॉजीटिव केस

**नई दिल्ली।** भारत ने वैश्विक महामारी के खिलाफ जारी अपनी लड़ाई में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल कर लिया है। दैनिक नए मामलों ने आज कमी का एक नया स्तर पार किया है। 237 दिनों के बाद पहली बार पिछले 24 घंटे के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर 9,102 दैनिक नए मामले सामने आए हैं। 4 जून, 2020 को 9,304 दैनिक नए मामले सामने आए थे। केंद्र की एक निरंतर, सक्रिय रणनीति के साथ दैनिक नए मामलों में लगातार गिरावट देखी गई है। इससे दैनिक मृत्यु दर में भी लगातार गिरावट आई है। देश में 8 महीने (8 महीने 9 दिन) से अधिक समय के बाद पिछले 24 घंटों में 120 से कम (117) मौतें दर्ज हुई हैं। भारत में सक्रिय मामलों की संख्या आज गिरकर 1,77,266 हो गई है। कुल पॉजिटिव मामलों और सक्रिय मामलों के बीच अंतर कम होता जा रहा है।

### कोहरे के बीच कंटेनर से टकराई एंबुलेंस, 5 की मौत

**भदोही।** भदोही जिले के गोपीगंज क्षेत्र में तड़के एक शव ले जा रही एंबुलेंस के घने कोहरे के बीच सड़क किनारे खड़े एक कंटेनर(मालवाहक वाहन)से जा टकराने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने यहां बताया कि पश्चिम बंगाल के आसनसोल इलाके में नौकरी करने वाले विनीत सिंह नामक व्यक्ति की मौत हो जाने पर उसके घर के सदस्य शव को लेकर एंबुलेंस से चित्तौड़गढ़ जा रहे थे। तड़के लगभग पांच बजे गोपीगंज थाना क्षेत्र के अमवा गांव के पास एंबुलेंस घने कोहरे के बीच सड़क के किनारे खड़े एक कंटेनर से जा टकराई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में एंबुलेंस सवार चार परिजन और चालक समेत पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में से एक की शिनाख्त राजवीर सिंह के रूप में हुई है। बाकी की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

### पुणे में भूकंप का हल्का झटका, जानमाल का नुकसान नहीं

**पुणे।** पुणे जिले में 2.6 तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया। अच्छी बात यह है कि अभी तक जानमाल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है।अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट में कहा गया कि भूकंप का झटका मंगलवार को शाम सात बजकर 28 मिनट पर महसूस किया गया। इसका केंद्र पुणे से 21 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित पुरंदर तालुका में 12 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

# 2026 में बस जाएगी मंगल और गुरू के बीच इंसानी बस्ती: वैज्ञानिक

**डिस्क के आकार के आवास में हजारों बेलनाकार संरचनाएं होंगी, हर एक में 50 हजार लोग रह सकेंगे**

लंदन ■ एजेंसी

कई लोगों को लग रहा हो कि वैज्ञानिक अनुसंधान और शोधों का ध्यान अब अंतरिक्ष से हटकर पृथ्वी की जलवायु परिवर्तन पर ज्यादा होने वाला है। फिर भी अंतरिक्ष अनुसंधान पर हो रहे शोधों में कमी आएगी इसकी संभावना कम ही है। दुनिया के तमाम देशों के मंगल और अन्य अंतरिक्ष अनुसंधान योजनाओं पर काम करते ही रहेंगे जो बहुत दूरगामी हैं। इसी बीच फिनलैंड के एक वैज्ञानिक ने अपने तर्कों के साथ दिलचस्प दावा किया है कि साल 2026 तक मंगल और गुरू ग्रह के बीच इंसानी बस्ती बस सकती है। वैज्ञानिक डॉ पेक्का जेनह्यूनेन ने दावा किया है कि मंगल और गुरू ग्रह के बीच क्षुद्रग्रहों की पट्टी में एक बड़े पिंड में इंसान की बस्ती बसाई जा सकती है। जेनह्यूनेन एक अंतरिक्ष भौतिकविद, खगोलजीवविज्ञानी और आविष्कारक हैं। यही वजह है कि उनका यह दावा भले ही कितना अव्यवहारिक या असंभव लगे, लेकिन लोगों का ध्यान खींचने में सफल रहा है। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक जेनह्यूनेन ने इस महीने

अपने एक शोधपत्र में तैरते हुए विशाल सैटेलाइट पर एक रूपरेखा तक पेश की है। वैज्ञानिक का कहना है कि पृथ्वी से 32.5 करोड़ मील दूर सीरेस नाम के बौने ग्रह के आसपास सैटेलाइट घूमेंगे। इससे वहां कृत्रिम गुरुत्व की मदद से वहां बसाहट के लिए प्रेरणा मिलेगी। फिलहाल पृथ्वी के बाहर की बसाहट का ज्यादातर ध्यान चंद्रमा और मंगल ग्रह के बारे में है क्योंकि ये दोनों पृथ्वी से ज्यादा दूर नहीं हैं। यह सब कैसे संभव है, इस सवाल का जवाब देते हुए जेनह्यूनेन ने एक डिस्क के आकार के आवास का पूवानुमान लगाया है जिसमें हजारों बेलनाकार की फली जैसी संरचनाएं होंगी, जिसमें हर एक में 50 हजार लोग रह सकेंगे। हर फली शक्तिशाली चुंबक से जुड़ी होंगी जिससे धूर्णन पैदा होगा और कृत्रिम गुरुत्व बनेगा।

आज से 15 साल बाद सीरेस की सतह के 600 मील के नीचे तक उत्खनन कर सकेंगे और उसे अंतरिक्षीय एलीवेटर्स का उपयोग कर ऊपर ला सकेंगे। जेनह्यूनेन का कहना है कि सेरेस से सामग्री उठाना ऊर्जा के लिहाज से सस्ता पड़ेगा। सीरेस का गुरुत्व कम है और तुलनात्मक रूप से तेजी से घूमता है, वहां स्पेस एलीवेटर उपयुक्त होंगे। सीरेस क्षुद्रग्रह की पट्टी में सबसे विशाल पिंड है। इसके नाइट्रोजन सम्पन्न वायुमंडल के कारण यह पृथ्वी से बाहर बसाहट के लिहाज से उपयुक्त है।

**12 अरब डॉलर के कर्ज की देख रहा राह, वर्ल्ड बैंक ने नहीं किया कोई वादा**

# विश्व बैंक के सामने झोली फैलाने को मजबूर है कंगाल पाकिस्तान

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

कंगाली की कगार पर खड़े पाकिस्तान ने अब विश्व बैंक के सामने झोली फैलाई है। पाकिस्तान को उम्मीद हैं कि अगले पांच साल में उसे 12 अरब डॉलर का कर्ज मिल जाएगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस साल मई में इस नई साझेदारी रणनीति के तहत पाकिस्तान को यह मदद मिल सकती है। आर्थिक मुद्दों के मंत्री मखदूम खुसरो बख्तियार और वर्ल्ड बैंक कंट्री डायरेक्टर नेजी बेनहसीन ने पाकिस्तान के लिए विकास की प्राथमिकताओं पर चर्चा की। रिपोर्ट में कहा गया है कि

मंत्रालय के सीनियर अधिकारी ने कहा है कि वर्ल्ड बैंक ने अभी कोई वादा नहीं किया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के कोटा, बजट सपोर्ट की जरूरतों और प्राइवेट सेक्टर की देनदारियों के आधार पर 2022 से 2026 के बीच 12 अरब डॉलर दिए जा सकते हैं। आईडीए-19 के तहत पाकिस्तान का तीन साल का कोटा 3.5 अरब डॉलर है। अधिकारी के मुताबिक अगले तीन साल में इंटरनैशनल बैंक फॉर रीकंस्ट्रक्शन ऐंड डिवेलपमेंट से भी 3 अरब डॉलर की उम्मीद है। पाकिस्तान ने वर्ल्ड बैंक से अपील की है कि कुछ अहम क्षेत्रों पर ही ध्यान केंद्रित किया जाए, जिससे जरूरत के मुताबिक असर हो सके। अगले महीने की आखिर तक पाकिस्तान के साथ इस पर चर्चा पूरी हो सकती है। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि पाकिस्तान के आर्थिक विकास में संसाधनों और कौशलपूर्ण मानव संसाधन की कमी एक बड़ा कारण है। पाकिस्तान की आर्थिक व्यवस्था बुरी तरह से चरमराई हुई है। उसे करीबी दोस्त चीन और सऊदी अरब से आर्थिक मदद मिली थी, लेकिन विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के बड़बोले रवैये से नाराज सऊदी ने उसे दिए 3 अरब डॉलर के कर्ज को वापस मांग लिया था। इसके लिए भी पाकिस्तान को चीन के सामने हाथ फैलाने पड़े थे। वहीं, अगले महीने फाइनैंशल ऐक्शन टास्क फोर्स की बैठक में पाकिस्तान की किस्मत पर फैसला होना है।

## पाकिस्तान में राज कपूर का पुश्तैनी घर सरकारी मूल्य पर बेचने से इनकार

**घर के मालिक ने कहा- संपत्ति अच्छी जगह पर, इसका लगाया जा रहा है कम दाम**

**पेशावर।** प्रख्यात भारतीय फिल्म अभिनेता राज कपूर के पेशावर में स्थित पैतृक घर के मालिक ने खैबर पख्तूनख्वा सरकार द्वारा तय किए गए मूल्य पर घर को बेचने से मना कर दिया है। घर के मालिक का कहना है कि संपत्ति बहुत अच्छी जगह पर है और इसका बेहद कम दाम लगाया जा रहा है। प्रांतीय सरकार ने कपूर के पुश्तैनी घर को खरीदने के लिए डेढ़ करोड़ रुपये जारी करने को मंजूरी दी थी और कहा था कि इसे अभिनेता के सम्मान में संग्रहालय के तौर पर विकसित किया जाएगा। वर्तमान में हवेली के मालिक हाजी अली साबिर ने बुधवार को एक निजी चैनल के साथ बातचीत में डेढ़ करोड़ रुपये में संपत्ति बेचने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, उस इलाके में आधा मारला जमीन भी डेढ़ करोड़ में नहीं मिलती। मैं छह मारला जमीन की संपत्ति को डेढ़ करोड़ में कैसे बेच सकता हूं? भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में प्रयुक्त की जाने वाली इकाई मारला का अर्थ 272.25 वर्ग फुट क्षेत्र होता है। साबिर ने कहा कि संपत्ति की सही कीमत दो सौ करोड़ रुपये है। राज कपूर का पुश्तैनी घर कपूर हवेली, किस्सा ख्वानी बाजार में स्थित है। इसका निर्माण अभिनेता के दादा दीवान बशेश्वरनाथ कपूर ने 1918 से 1922 के बीच करवाया था। राज कपूर और उनके चाचा त्रिलोक कपूर का जन्म इसी हवेली में हुआ था। प्रांतीय सरकार ने इस इमारत को राष्ट्रीय विरासत घोषित किया है।

## बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी का पासवार्ड भूले थॉमस, पैसों का उपयोग मुश्किल

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका में रहने वाले शख्स स्टीफन थॉमस की काफी चर्चा हो रही है। इसका मुख्य कारण बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी है। दरअसल उन्होंने क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में तब निवेश किया था जब इसका रेट बहुत ही कम था। थॉमस ने साल 2011 में 7,002 बिटकॉइन लिए थे जो आज 245 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानि 1800 करोड़ रुपए के बराबर हो चुके हैं। लेकिन वह चाहकर भी पैसे को भुना नहीं सकते हैं।

वे एक अजीब समस्या में फंस गए हैं। थामस ने इन्क्रिप्शन डिवाइस में इन सभी बिटकॉइन पासवर्ड को सेव कर के रखा था लेकिन अब वे अपना पासवर्ड भूल गए हैं। थॉमस अब तक 8 गलत पासवर्ड डाल चुके हैं और हार्ड ड्राइव किसी यूजर को 10 मौके प्रदान करती है। इसके बाद अब उनके पास केवल 2 मौके हैं। उन्होंने कहा, शुरूआत के कुछ हफ्तों में तो मेरी परिस्थिति खराब हो गई थी। मैं बहुत तनाव में रहने लगा था लेकिन अब मैं अपने नुकसान को लेकर काफी सहज हो चुका हूं। प्रोग्रामर के तौर पर काम करने वाले थॉमस जर्मनी में पैदा हुए थे। उनका कहना है कि वक्त ने उनके हालातों को बेहतर बनाया है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि समय मरहम की तरह काम करता है और टाइम बीतने के साथ-साथ मैं काफी बेहतर हो चुका हूं। मुझे अंदाजा हो गया था कि ये मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है। उन्होंने कहा कि एक शख्स मुझे कह रहा था कि वहां कुछ भविष्यवादियों से मेरी बात करा सकता है। वही एक शख्स मुझे कुछ खास तरह के ड्रग्स लेने का सुझाव दे रहा था, ताकि मुझे अपना पासवर्ड याद आ जाए। उन्होंने कहा कि पहले मैं ये सब सोच कर काफी डिप्रेशन में रहने लगा था लेकिन समय के साथ अब मैं कूल हो चुका हूं।

हालांकि थॉमस वर्तमान में किसी तरह का सुझाव नहीं ले रहे हैं और उन्हें अब भी एक आखिरी उम्मीद है। वे अब 2 एटेम्पट ट्राई नहीं करुंगा और भविष्य में अगर कोई पासवर्ड को क्रैक करने के फुलप्रूफ आइडिया के साथ सामने आ जाता है तो वे इसका उपयोग कर सकते हैं यानी उनके पास पैसे होते हुए भी अब वे फिलहाल उसका उपयोग नहीं कर पाएंगे।

**बैक्टिरिया और वायरस फिर से जिंदा हो सकते हैं जो हजारों, लाखों साल से बर्फ में दबे हुए हैं**

# दुनिया के सबसे ठंडे स्थान से मिला चालीस हजार साल पुराना गैंडा, टेंशन में वैज्ञानिक

मास्को ■ एजेंसी

दुनिया के रहने योग्य सबसे ठंडे स्थानों में शुमार रूस के साइबेरिया इलाके से बर्फ के बीच वूली गैंडे का विशाल अवशेष मिला है। वूली गैंडे का यह अवशेष याकुतिआन इलाके में पाया गया है जो हमेशा बर्फ से ढंका रहता है। इस अवशेष को अब साइबेरिया के याकुतस्क शहर भेज दिया गया है, जहां अब इसका वस्तुत अध्ययन किया जा सकेगा। गैंडे का यह अवशेष करीब 40 हजार साल पुराना है। इस गैंडे के अवशेष मिलने के बाद वूली गैंडे के अवशेष को मीडिया के सामने पेश किया। करीब 40 हजार साल बीत जाने के बाद भी इस वूली गैंडे का 80 फीसदी ऑर्गेनिक मटिरियल अभी भी बना हुआ है। इसमें गैंडे के बाल, दांत, सींग और फैट अभी भी बने हुए हैं। गैंडे की खोज पिछले साल अगस्त महीने में याकुतिआन के निर्जन इलाके में बर्फ के पिघलने के दौरान हुई थी। पूरे इलाके में रास्ते के बर्फ से जमे होने की वजह से इस गैंडे के अवशेष को जनवरी में लाया जा सका। याकुतिआ अकादम ऑफ साइंसेज के डॉक्टर गेन्नाडी बोइस्कोरोव ने कहा, 'यह किशोर वूली गैंडा करीब 236 सेंटीमीटर का है, जो एक वयस्क गैंडे से करीब एक मीटर कम है।' उन्होंने कहा कि गैंडा करीब 130 सेंटीमीटर ऊंचा है जो एक वयस्क गैंडे से 25 सेंटीमीटर कम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किशोर वूली गैंडा इंसानी शिकारियों से बचने के लिए भाग रहा था और इसी दौरान वह दलदल में फंस गया। हालांकि उसके मरने की असली वजह अभी तक नहीं पता चल पाई हैं। इस अवशेष से अब वैज्ञानिक वूली गैंडे के बारे में और जानकारी जुटा सकेंगे। रूस के साइबेरिया में अब बर्फ पिघल रही है और लगातार कई खोजें हो रही हैं।

## मेरी पहली नौकरी मां की प्रयोगशाला में कांच के पिपेट साफ करने की थी

**वाशिंगटन।** अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा कि उनकी पहली नौकरी मां की प्रयोगशाला में इस्तेमाल होने वाली कांच के पिपेट साफ करने की थी। उन्होंने यह बात राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के बेथसेडा स्थित मुख्यालय में कोविड-19 टीके की दूसरी खुराक लेने के मौके पर कही। हैरिस की मां श्यामला गोपालन हैरिस मूल रूप से चेन्नई की थीं और पेशे से स्तन कैंसर अनुसंधानकर्ता थीं, जिनकी मौत वर्ष 2009 में कैंसर से हो गई। हैरिस के पिता जमैकाई मूल केहैं और पेशे से अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। उन्होंने कहा, बचपन में हम हमेशा जानते थे कि मां इस स्थान पर जा रही हैं जिसे बेथेसडा कहते हैं। मां बेथसेडा जाती थी और निश्चित रूप से वह यहां राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान आती थी। वह जैवरसायन अंतःस्राविका विभाग में काम करती थी। अपनी मां की प्रयोगशाला में बिताए गए पलों को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा, वह पीयर रिव्युवर थीं। मेरी मां के लिए उनके जीवन के दो लक्ष्य थे। पहला दोनों बेटियों को पालना और दूसरा स्तन कैंसर खत्म करना। यह कम ही लोग जानते है कि मेरी पहली नौकरी मां की प्रयोगशाला में कांच के पिपेट साफ करने की थी।

## चक्रवात 'एलोइस' के कारण मोजाम्बिक में करीब ढाई लाख लोग प्रभावित

**76 स्वास्थ्य केन्द्र तथा 400 कक्षाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं: कॉलार्ड**

जेनेवा ■ एजेंसी

मोजाम्बिक के तटीय शहर बेरा और उसके आसपास के इलाके में चक्रवात 'एलोइस' से करीब 2,50,000 लोग प्रभावित हुए और 76 स्वास्थ्य केन्द्र तथा 400 कक्षाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अफ्रीकी देश में संयुक्त राष्ट्र की समन्वयक मैयटां कॉलार्ड ने विश्व निकाय के पत्रकारों को ऑनलाइन बातचीत में बताया कि यहां भीषण बाढ़ भी आई है। हम देख रहे हैं कि कई लोग बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, करीब दो साल पहले चक्रवात 'इडाई' की वजह से इन्हीं इलाकों में ऐसी ही तबाही मची थी। उन्होंने बताया कि उस दौरान सैकड़ों लोग मारे गए थे और कई घर नष्ट हो गए या बह गए थे।

कॉलार्ड ने बताया कि दिसम्बर में यही इलाका चक्रवात 'एलोइस' से भी प्रभावित हुआ था। उन्होंने बताया कि शनिवार को चक्रवात 'एलोइस' यहां से गुजरा। मंगलवार तक यहां इससे करीब 2,50,000 लोग प्रभावित हो चुके थे। यहां तंबुओं, आपातकालीन आश्रय, कंबल, पीने के पानी, स्वच्छता उत्पाद, फेस मास्क और खाद्य पदार्थों की काफी जरूरत है। उन्होंने कहा, हमें जितनी जल्दी हो सके, स्कूलों को भी दोबारा बनाना होगा। कॉलार्ड ने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों को भी जल्द ठीक करना होगा। बाढ़ से फसलों को हुए नुकसान का आकलन अभी किया जा रहा है। फसल की कटाई अप्रैल में होनी है। अगर पानी वहां ठहर गया तो उसका फसल पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

# सुरंग बनाकर ज्वैलरी शॉप में करोडों की लूट

**ज्वैलरी शॉप के बाजू में खोली थी जूस की दुकान**

ठाणे ■ एजेंसी

ज्वैलरी शॉप में सुरंग बनाकर बदमाशों ने करोडों रुपए कीमत की ज्वैलरी पर हाथ साफ कर दिए। दुकान में सुरंग बगल की जूस की दुकान से बनाई गई थी। नवी मुंबई पुलिस ने ऐसे दो चोरों को पकड़ लिया है। चोरों ने बड़े ही शातिर तरीके से पहले ज्वैलरी शॉप के बगल में एक दुकान किराए पर ली और फिर दोनों दुकानों के बीच की दीवार में ड्रिलिंग मशीन की मदद से छेद करके करोड़ों रुपए का माल उड़ा ले गए। नवी मुंबई पुलिस में एसीपी विनायक वस्त ने बताया कि चोरों ने पहले वर्तक नगर के पोखरण रोड पर स्थित वरिमाता ज्वैलरी शॉप पर कुछ

दिन नजर रखी। जब उन्हें पता चला कि ज्वैलरी की दुकान के बगल वाली दुकान खाली है तो उन्होंने दुकान मालिक से वह दुकान किराए पर ले ली। इसके बाद चोरों ने गैस कटर से लेकर बाकी वो सब सामान इकट्ठा कर लिया, जिससे उन्हें ज्वैलरी निकालने में सहूलियत मिलनी थी। इसके बाद चोरों ने एक हफ्ते तक ज्वैलरी की दुकान की टाइमिंग, और ये भी कि हफ्ते में किस दिन बंद रहती है, इन सब चीजों पर नजर रखी। जिस शख्स ने दुकान किराए पर ली थी उसका नाम राहुल अब्दुल माजिद शैख है। उसने किराए पर ली दुकान के आगे 'अब्दुल फ्रूट्स' नाम से एक साइनबोर्ड भी लगाया था। 17 जनवरी की रात राहुल ने अपने चार दोस्तों के साथ दुकान में छेद करके अंदर रखा सारा माल उड़ा लिया। बताया जा रहा है कि चोरी किए हुए सामान की कीमत करीब 1.37 करोड़ रुपए है। जब पुलिस को राहुल और इसके एक दोस्त साहेब अकबर शैख के बारे में सूचना मिली तो पुलिस ने कुछ ज्वैलरी के साथ इन दोनों को अपनी कस्टडी में ले लिया। दोनों ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। पुलिस बाकी चोरों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। जिस आदमी ने यूनिक तरीके से इस चोरी की घटना को अंजाम दिया है वह झारखंड का रहने वाला बताया जा रहा है।

**रिपोर्ट** **मानवाधिकार समूह ओक्सफैम की रिपोर्ट में दावा**

# कोरोना: गरीबी के दलदल में फंसे अरबों लोग

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

मानवाधिकार समूह ओक्सफैम की एक रिपोर्ट में कहा है कि दुनियाभर के देश पिछले 9 महीनों से कोरोना महामारी के संकट से जूझ रहे हैं। कोरोना संकट दुनिया में असमानता को बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि कोरोना महामारी के दौर में अमीर लोग और ज्यादा अमीर हो रहे हैं, जबकि इस महामारी के चलते गरीबी के दलदल में फंसे अरबों लोगों को इससे उबरने में वर्षों लग सकते हैं। कोरोना के चलते ज्यादातर देशों को अपने यहां लॉकडाउन की घोषणा तक करनी पड़ी। लॉकडाउन ने कई देशों की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से पटरी से उतार दिया है। हालांकि अब एक

बार फिर सभी देश अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने में लगे हैं। 'असमानता वायरस' नामक एक रिपोर्ट में मानवाधिकार समूह की ओर से बताया गया है कि कोरोना महामारी सभी देशों में एक साथ आई थी। सभी देशों में कोरोना की रफ्तार भी एक समान थी, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया के 1000 सबसे अमीर लोगों ने अपने नुकसान को 9 महीने के अंदर ही हासिल कर लिया है, लेकिन दुनिया के सबसे गरीब लोगों को अपनी हालत सुधारने में दशक से अधिक समय लग सकता है। ऑक्सफैम ने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला है कि वायरस के प्रभाव को भी असमान रूप से महसूस किया जा रहा है, कुछ देशों में जातीय अल्पसंख्यकों की उच्च दर पर मृत्यु हो रही है और महिलाओं को महामारी की चपेट में आने वाली अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में अधिक महत्व दिया जा रहा है। ऑक्सफैम ने अपनी रिपोर्ट में तर्क दिया कि फेयर इकोनॉमी आर्थिक सुधार की कुंजी है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल के कार्यकारी निदेशक गैब्रिएला बुचर ने कहा, अमीर और गरीब के बीच गहरा विभाजन वायरस के रूप में घातक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि असमानता के खिलाफ चल रही लड़ाई को जीतना है कि उसके लिए आर्थिक प्रयास करने होंगे। एक टैक्स सिस्टम के जरिए अमीर व्यक्तियों को अपनी हिस्सेदारी आगे बढ़ानी चाहिए, जिससे दुनिया में तेजी से बढ़ रही असमानता को दूर किया जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक 32 ग्लोबल कंपनियों ने इस महामारी के दौरान जो लाभ कमाया है उस पर अगर अस्थायी टैक्स लगाया जाए तो 104 ?बिलियन डॉलर मिल सकता है जो दुनिया में निम्स और मध्य आय वाले लोगों, बेरोजगारो, बुजुर्ग और बच्चों की मदद कर सकता है।

# आईसीसी वनडे रैंकिंग में विराट की बादशाहत बरकरार, रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर मौजूद

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय कप्तान विराट कोहली और सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने आईसीसी (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) की वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में क्रमशः पहला और दूसरा स्थान बरकरार रखा जबकि गेंदबाजों की लिस्ट में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने आखिरी दो वनडे में 89 और 63 रन बनाए थे, उनके 870 प्वॉइंट्स हैं। रोहित चोटिल होने के कारण ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर सीमित ओवर की सीरीज का हिस्सा नहीं हो पाए थे। उन्होंने कोविड-19 महामारी शुरू होने के बाद से कोई भी वनडे मैच नहीं खेला है, लेकिन वह पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (837) से पांच प्वॉइंट्स ऊपर दूसरे स्थान पर ही बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के रॉस टेलर (818) और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच (791) बल्लेबाजों की लिस्ट में टॉप पांच के अन्य खिलाड़ी हैं। आयरलैंड के ऑलराउंडर पॉल स्टर्लिंग को अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे और तीसरे मैच में शतकों की बदौलत 285 रन बनाकर आठ पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 20वें स्थान पर पहुंच गए। अफगानिस्तान के हशमतुल्लाह शाहिदी, राशिद खान और जावेद अहमदी को भी रैंकिंग में फायदा हुआ। गेंदबाजों की लिस्ट में बुमराह सर्वश्रेष्ठ भारतीय हैं, वह 700 प्वॉइंट्स से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट (722) और अफगानिस्तान के स्पिनर मुजीब उर रहमान (701) टॉप दो स्थान पर काबिज हैं। बांग्लादेश के स्पिनर मेहदी हसन मिराज को नौ पायदान का फायदा हुआ और वह चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह हाल में समाप्त हुई वेस्टइंडीज के खिलाफ सबसे सफल गेंदबाज रहे थे, उन्होंने सात विकेट चटकाए थे। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान भी 19वें से आठवें स्थान पर पहुंच गए। ताजा रैंकिंग में बांग्लादेश के अन्य खिलाड़ियों को भी लाभ हुआ है जिसमें शाकिब अल हसन और मुशफिकर रहीम शामिल हैं। शाकिब गेंदबाजों में 15 पायदान की उछाल से 13वें स्थान पर जबकि रहीम बल्लेबाजों में एक पायदान के फायदे से 15वें स्थान पर पहुंच गए।

## रूस के 2 टेनिस खिलाड़ियों पर मैच फिक्सिंग के लिए लगा आजीवन बैन

**लंदन।** रूस की 2 टेनिस खिलाड़ियों पर मैच फिक्सिंग में शामिल होने के कारण बुधवार को आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया। अंतरराष्ट्रीय टेनिस की इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीए) ने कहा कि अलिजा मरदीवा को मैच फिक्सिंग को दो आरोपों में दोषी पाया गया है। सोफिया दिमित्रीवा पर मैच फिक्सिंग के 6 आरोप सही पाए गए। उस पर जांच में सहयोग नहीं करने का भी आरोप है। आईटीए ने कहा कि इस मामले में कई मैचों पर गौर किया गया। इनमें वे दो मैच भी शामिल हैं जिनमें ये दोनों युगल जोड़ीदार के रूप में खेली थी। एजेंसी ने हालांकि यह नहीं बताया कि इन दोनों के मैच फिक्स करने से कौन से टूर्नामेंट प्रभावित हुए।

## टेस्ट सीरीज: चेन्नई पहुंचे इंग्लैंड के क्रिकेटर्स

**चेन्नई।** कप्तान जो रूट समेत इंग्लैंड क्रिकेट टीम के सदस्य भारत के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले दो टेस्ट के लिए बुधवार को चेन्नई पहुंच गए। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के ट्विटर अकाउंट से खिलाड़ियों के यहां पहुचने का एक वीडियो शेयर किया गया है। इसके अलावा भारत के कुछ खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ भी यहां पहुंच चुका है। रूट और उनकी टीम श्रीलंका से सुबह 10.30 पर यहां पहुंची और सीधे होटल चली गई, जहां दोनों टीमों के लिए कोरोना प्रोटोकॉल बनाया गया है। इंग्लैंड की टीम ने श्रीलंका को टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराया था। भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा, उपकप्तान अजिंक्य रहाणे कल रात ही यहां पहुंच गए जबकि चेतेश्वर पुजारा, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत आज सुबह पहुंचे। टीम के कोच रवि शास्त्री मुंबई से यहां पहुंचे हैं। इसके अलावा विराट कोहली भी पहुंच चुके हैं। दोनों टीमें होटल लीला पैलेस में रुकी हैं जहां बायो बबल बनाया गया है। टीमें छह दिन तक कड़े क्वारंटाइन में रहने के बाद दो फरवरी से प्रैक्टिस शुरू करेंगी जिसमें टीमों का कोरोना टेस्ट भी होगा। पहला टेस्ट पांच फरवरी से और दूसरा 13 फरवरी से खेला जाएगा। इस मौके पर गूगल के सीईओ सुदंर पिचाई ने भी ट्वीट करते हुए लिखा कि, "मेरे होम टाउन में आने के लिए वेलकम इंग्लैंड। एक बेहतरीन सीरीज होनी चाहिए।" टेस्ट सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच टी-20 सीरीज की शुरूआत 12 मार्च से होगी। यह सभी मुकाबले सरदार पटेल स्टेडियम में ही होंगे।

### | बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स: मेन्स सिंगल्स में एंटोन्सेन से हारे श्रीकांत |

# अपने पहले मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-1 ताइजू से हारीं सिंधु

बैंकॉक ■ एजेंसी

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) वर्ल्ड टूर फाइनल्स की शुरूआत आज से बैंकॉक में हो गई है। टूर्नामेंट में भारत के 2 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। वुमन्स सिंगल्स में पीवी सिंधु अपना पहला मुकाबला वर्ल्ड नंबर-1 ताइजू यिंग से हार गईं। वहीं, मेन्स सिंगल्स में डेनमार्क के एंडर्स एंटोन्सेन ने किदांबी श्रीकांत को 15-21, 21-16, 21-18 से हराया। ताइजू ने सिंधु को 19-21, 21-12, 21-17 से हराया। सिंधु ने कड़ी मशक्कत के बाद पहला गेम अपने नाम किया। हालांकि, वह दूसरे और तीसरे गेम में अपने लय को कायम नहीं कर सकीं और हार गईं। वर्ल्ड नंबर-7 सिंधु को वुमन्स सिंगल्स के ग्रुप-इ में रखा गया है। इसे ग्रुप ऑफ डेथ भी कहा जा रहा है। इस ग्रुप में सिंध और ताइजू यिंग के अलावा थाईलैंड की रातचानोक इंतानोन और पोर्नपावी चोचुवोंग हैं। ग्रुप लेवल के सभी मुकाबले राउंड रॉबिन के आधार पर खेले जाएंगे। ताइजू से हार के बाद सिंधु को 2 और मुकाबले खेलने हैं। गुरुवार को सिंधु वर्ल्ड नंबर-3 इंतानोन से भिड़ेंगी। इंतानोन ने टोयोटा थाईलैंड ओपन के क्वार्टरफाइनल में सिंधु को हराया था।

**वुमन्स सिंगल्स ग्रुप ए:** करोलिना मरीन (स्पेन), आन से यंग (साउथ कोरिया), मिचेल ली (कनाडा), इवगेनिया कोसेत्सकेया (रूस)

**वुमन्स सिंगल्स ग्रुप बी:** ताइजू यिंग (चीनी ताइपे), रातचानोक इंतानोन (थाईलैंड), पोर्नपावी चोचुवोंग (थाईलैंड), पीवी सिंधु (भारत)

**श्रीकांत ने टोयोटा थाईलैंड ओपन से नाम वापस लिया था:** भारत के टॉप मेन्स बैडमिंटन प्लेयर श्रीकांत हाल ही में हुए योनेक्स थाईलैंड ओपन और टोयोटा थाईलैंड ओपन में कुछ खास नहीं कर सके थे। चीन और जापान के कई शटलर ने कोरोना की वजह से थाईलैंड ओपन टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। इस वजह से श्रीकांत टॉप-8 रैंकिंग में बने रहने में कामयाब हो सके और फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया।

### मेन्स सिंगल्स में पहले मुकाबले में हारे श्रीकांत

मेन्स सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-14 भारत के श्रीकांत को फॉर्म में चल रहे एंडर्स एंटोन्सेन ने कड़े मुकाबले में हराया। श्रीकांत ने पहला गेम आसानी से 21-15 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में श्रीकांत ने एंटोन्सेन को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, एंटोन्सेन ने 21-16 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में एक समय स्कोर 17-17 से लेवल पर था। इसके बाद एंटोन्सेन ने 4 पॉइंट्स अर्जित किए और गेम और मैच दोनों अपने नाम किया। राउंड रॉबिन के आधार पर श्रीकांत का मुकाबला अब गुरुवार को वीनी ताइपे के वांग जू वेई से होगा।

**मेन्स सिंगल्स ग्रुप ए:** विक्टर एक्सेलसन (डेनमार्क), चाउ तिएन चेन (वीनी ताइपे), ली जी जिया (मलेशिया), एंथोनी गिंटिंग (हॉन्गकॉन्ग) **मेन्स सिंगल्स ग्रुप बी:** एंडर्स एंटोन्सेन (डेनमार्क), वांग जू वेई (वीनी ताइपे), किदबी श्रीकांत (भारत), एंग का लोंग (हॉन्गकॉन्ग)

### सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ के लिए क्वालिफाई किया

वर्ल्ड चैम्पियन पीवी सिंधु भी बीडब्ल्यूएफफाइनल्स में जगह बनाने में कामयाब हुईं। सिंधु की वर्ल्ड रैंकिंग 7 और टूर रैंकिंग 10 है। सिंधु के लक ने भी उनका साथ दिया। ऐसा इसलिए क्योंकि टूर रैंकिंग में टॉप-8 में थाईलैंड की 3 और जापान की नोजोमी ओकुहारा हैं। बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स में एक देश से सिर्फ 2 टॉप खिलाड़ी ही क्वालिफाई कर सकते हैं।

### पिछले 2 टूर्नामेंट में कुछ खास नहीं कर सकी हैं

वहीं, ओकुहारा पहले ही बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स से अपना नाम वापस ले चुकी हैं। इस वजह से सिंधु बीडब्ल्यूएफ फाइनल्स के लिए क्वालिफाई करने में कामयाब रहीं। सिंधु योनेक्स थाईलैंड ओपन के पहले राउंड और टोयोटा थाईलैंड ओपन के क्वार्टरफाइनल में हारकर बाहर हो गई थीं।

## विष्णु सोलंकी की विस्फोटक पारी, हरियाणा पर शानदार जीत से सेमीफाइनल में पहुंचा बड़ौदा

अहमदाबाद ■ एजेंसी

विष्णु सोलंकी की नाबाद 71 रन की विस्फोटक पारी के दम पर बड़ौदा ने हरियाणा को तीसरे क्वार्टरफाइनल में बुधवार को एकतरफा अंदाज में 8 विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। बड़ौदा ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। बड़ौदा ने हरियाणा को 20 ओवर में सात विकेट पर 148 पर रोकने के बाद दो विकेट पर 150 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल कर ली। सोलंकी ने मात्र 46 गेंदों पर चार चौकों और पांच छक्कों की मदद से नाबाद 71 रन की मैच विजयी पारी खेली। सोलंकी ने स्मित पटेल के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी की। सोलंकी ने फिर अभिमन्यु राजपूत के साथ तीसरे विकेट के लिए अविजित 49 रन जोड़े। राजपूत ने 13 गेंदों पर नाबाद 13 रन बनाये। बड़ौदा के ओपनर और कप्तान केदार देवधर ने 40 गेंदों पर 43 रन में दो चौके और दो छक्के लगाए। हरियाणा की तरफ से भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और सुमित कुमार ने एक-विकेट लिया। इससे पहले हरियाणा की पारी में हिमांशु राणा ने 40 गेंदों पर सात चौकों की मदद से सर्वाधिक 49 रन बनाये। शिवम चौहान ने 29 गेंदों पर 35 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया। ओपनर चैतन्य बिश्नोई ने 15 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों के सहारे 21 रन तथा सुमित कुमार ने 16 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 20 रन बनाए। राहुल तेवतिया ने 10 रनों का योगदान दिया। हरियाणा की टीम दो विकेट पर 105 रन की अच्छी स्थिति से 148 रन तक ही पहुंच पाई। बड़ौदा की तरफ से कार्तिक ककाड़े ने दो ओवर में मात्र सात रन देकर दो विकेट झटके। अतीत सेठ और बाबाशफी पठान को एक-विकेट मिला।

## हरियाणा 169 पाइन्ट्स के साथ बना ओवर ऑल चैम्पियन

लोकदेश संवाददाता ■ भोपाल

राजधानी स्थित टी.टी. नगर स्टेडियम में 25 जनवरी से खेली जा रही 18वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का बुधवार को समापन हुआ। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 169 प्वाइंट हासिल कर हरियाणा ओवर ऑल चैम्पियन बना। साथ ही बालक एवं बालिका टीम चैम्पियनशिप भी हरियाणा राज्य के नाम रही। राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 11 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य पदक प्राप्त कर हरियाणा प्रथम स्थान पर, 5 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ तमिलनाडु द्वितीय तथा 3 स्वर्ण, 3 रजत और एक कांस्य पदक अर्जित कर केरल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 3 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित 7 पदकों के साथ मध्य प्रदेश चैथे स्थान पर रहा। प्रतियोगिता के अंतिम दिन एक राष्ट्रीय और एक मीट रिकार्ड बना। हरियाणा के खिलाड़ी अमित ने 10 हजार मीटर पैदल चाल स्पर्धा 40:40.97 सेकेण्ड के समय में रेस पूरी कर राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। चैम्पियनशिप में उन्हें बेस्ट एथलीट के अवार्ड से नवाजा गया। इसी तरह बालिका वर्ग की 3 हजार मीटर दौड़ में राजस्थान की खिलाड़ी चत्रु ने 9:45.87 सेकेण्ड का समय लेकर नया मीट रिकार्ड बनाया। चैम्पियनशिप में दिल्ली की तरनजीत कौर को बालिका वर्ग में बेस्ट एथलीट के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा कि भोपाल में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप कोरोना काल का सबसे सफल और सुव्यवस्थित आयोजन है। समारोह में खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुझे खुशी है कि मध्य प्रदेश को 18वीं राष्ट्रीय फेडरेशन कप जूनियर अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप की मेजबानी का अवसर मिला।

## ड्राइविंग लाइसेंस, रेल टिकट और पासपोर्ट घर बैठे बनेगा

**नई दिल्ली।** अब आपको अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने में ज्यादा वक्त बर्बाद नहीं होगा। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के निर्देश के बाद अब कई राज्यों ने रेल टिकट और पासपोर्ट की तरह ड्राइविंग लाइसेंस में भी तत्काल सेवा शुरू करने पर विचार कर रही है। उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य होगा, जहां यह सेवा सबसे पहले शुरू होगी। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री अशोक कटारिया ने बुधवार को गाजियाबाद के डासना में यह बात कही।

**यूपी परिवहन विभाग के ये हैं निर्देश-**गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के सभागार में अशोक कटारिया ने परिवहन विभाग एवं परिवहन निगम के अधिकारियों की समीक्षा बैठक भी किया। बैठक में परिवहन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत रोडवेज की वाहनों का फिटनेस की जांच समय के अनुसार अवश्य करा लिया जाए। रोडवेज के बस अड्डों एवं रोडवेज की बसों की साफ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। बता दें अब गाजियाबाद में वाहनों का ऑटोमेटिक मशीनों द्वारा जांच के बाद फिटनेस प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाएगा। इससे आरटीओ आने वाले लोगों को कई तरह की असुविधाओं से निजात मिलेगी और साथ ही समय की भी बचत होगी। ड्राइविंग लाइसेंस में भी पासपोर्ट और रेलवे की तरह तत्काल सेवा शुरू करने की बात कही गई है. इसको लेकर काम चल रहा है. बहुत जल्द यह सेवा ऑनलाइन शुरू हो जाएगी. यूपी में अब नई व्यवस्था में अब वाहनों के रजिस्ट्रेशन से संबंधित सभी कागजात डीलर के पास ही जमा होंगे। डीलर ही इन कागजातों को आरटीओ गाजियाबाद के पोर्टल पर अपलोड करेंगे। अपलोडेड डाक्यूमेंट्स का ऑनलाइन सत्यापन होने के बाद परिवहन कार्यालय द्वारा उस वाहन के रजिस्ट्रेशन को अप्रूव किया जाएगा और उस वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर जारी किया जाएगा।

## फवाद आलम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ ठोका पहला टेस्ट शतक, पाकिस्तान की स्थिति मजबूत

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान व साउथ अफ्रीका के बीच कराची के नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन फवाद आलम ने मेजबान टीम की लाज बचा ली। खेल के दूसरे दिन पाकिस्तान की टीम ने 8 विकेट के नुकसान पर 308 रन बना लिए हैं और पहली पारी के आधार पर साउथ अफ्रीका पर 88 रन की बढ़त बना ली है। फवाद आलम की शतकीय पारी के दम पर पाकिस्तान की टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। पाकिस्तान की टीम खेल के पहले दिन 33 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे और ऐसा लग रहा था कि, शायद ये टीम ज्यादा स्कोर नहीं बना पाएगी क्योंकि मेहमान टीम के गेंदबाज काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन मैच के दूसरे दिन फवाद आलम की शतकीय पारी तो वहीं अजहर अली व फहीम अशरफ की अर्धशतकीय पारी ने पाकिस्तान को संभाल लिया।

## अनुश्रिया गुलाटी ने राष्ट्रीय रेसिंग चैम्पियनशिप में दोहरा खिताब जीता

**नयी दिल्ली।** अहूरा रेसिंग की अनुश्रिया गुलाटी ने रविवार को कोयंबटूर में खत्म हुई जेके टायर एफएमएससीआई भारतीय राष्ट्रीय रेसिंग चैम्पियनशिप नेशनल रेसिंग चैंपियनशिप में दुर्लभ प्रदर्शन करते हुए दोहरा खिताब अपने नाम किया। अनुश्रिया ने एलजीबी-4 रूकी वर्ग के खिताब के साथ महिला वर्ग का खिताब भी अपने नाम किया। ऑलराउंडर अनुश्रिया निशानेबाजी में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं जबकि बास्केटबॉल में अपने राज्य उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। बाइक रेस में भी उनके नाम कई खिताब हैं।

**मुनाफा** तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च भी 21.65 प्रतिशत बढ़कर 9,548 करोड़ रु. हुआ

## हिंदुस्तान यूनिलीवर का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 18.8 प्रतिशत बढ़कर 1,938 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर, 2020 में समाप्त तीसरी तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 18.8 प्रतिशत बढ़कर 1,938 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 1,631 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी बिक्री 20.26 प्रतिशत बढ़कर 11,969 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 9,953 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी का कुल खर्च भी 21.65 प्रतिशत बढ़कर 9,548 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 7,849 करोड़ रुपये था। एचयूएल के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक संजीव मेहता ने कहा, "हमारे ग्राहक आधारित नवोन्मेषण, बाजार विकास और बेहतर कार्यान्वयन से दिसंबर तिमाही में विभिन्न श्रेणियों में हमने व्यापक वृद्धि दर्ज की। मेहता ने कहा, "मैं विशेषरूप से अपने पोषण कारोबार के प्रदर्शन तथा अपने पोर्टफोलियो के विवेकाधीन खंड में सुधार से काफी खुश हूं। बीएसई में बुधवार को एचयूएल का शेयर 0.87 प्रतिशत के नुकसान से 2,390.75 रुपये पर बंद हुआ।

## बेरोजगारों को हर महीने 3800 रुपये बेरोजगारी भत्ता दे रही मोदी सरकार

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया पर वायरल एक मैसेज में दावा किया जा रहा है कि केंद्र सरकार बेरोजगारों को प्रति माह 3800 रुपये तक का बेरोजगारी भत्ता दे रही है। बता दें यह दावा पूरी तरह फर्जी है और इसके बहकावे में न आए। यह दावा फर्जी पाया गया है। केंद्र सरकार ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की है। कुछ दिन पहले वायरल एक वीडियो में दावा किया जा रहा था कि केंद्र सरकार 'प्रधानमंत्री क्रेडिट योजना' के तहत सभी महिलाओं के खाते में 3 लाख की नकद राशि दे रही है। इससे पहले कन्या सम्मान योजना के नाम पर हर महीने 2500 रुपये खातों में जमा होने का वीडियो वायरल हो रहा था। मोदी सरकार की योजनाओं के नाम पर सोशल मीडिया पर इस समय कई फर्जी वीडियो वायरल हो रहे हैं। स्त्री स्वाभिमान योजना और 'प्रधानमंत्री महिला सम्मान योजना' के नाम पर लोगों को झांसा दिया जा रहा है। फैक्ट चेक में ऐसे कई ये दावे फर्जी साबित हो रहे हैं। बता दें कि पीआईबी भारत सरकार की नीतियों, कार्यक्रम पहल और उपलब्धियों के बारे में समाचार-पत्रों व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को सूचना देने वाली प्रमुख एजेंसी है। पीआईबी ने सलाह दी है कि कोरोना संकट की घड़ी में ही नहीं, देश में जब भी खराब हालात बनते हैं, तब ऐसी फेक न्यूज सोशल मीडिया में प्रसारित होती हैं। ऐसे में सोशल मीडिया से मिली सूचना को अच्छे से परखने के बाद ही भरोसा करें।

## 1.81 लाख करोड़ रुपये के टैक्स रिफंड आपको नहीं मिला तो ये है वजह

**नई दिल्ली।** आयकर विभाग ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में अबतक 1.74 करोड़ से ज्यादा करदाताओं को 1.81 लाख करोड़ रुपये वापस किए गए हैं। इसमें से व्यक्तिगत आयकर मद में 1.71 करोड़ करदाताओं को 62,231 करोड़ रुपये और कंपनी कर के मामले में 2.12 लाख करदाताओं को विभाग ने 1.19 लाख करोड़ रुपये लौटाए। विभाग ने ट्विटर पर लिखा है, सीबीडीटी ने एक अप्रैल, 2020 से 25 जनवरी, 2021 के बीच 1.74 लाख से अधिक करदाताओं को 1,81,336 करोड़ रुपये वापस किए। इसके बावजूद बहुत सारे करदाता सोशल मीडिया के जरिये शिकायत कर रहे हैं कि उनको उनका रिफंड नहीं मिला ,जबकि उन्होंने चार-पांच महीने पहले अपना आयकर रिटर्न भरा था। अगर, आप भी उन करादाताओं में शामिल हैं, जो अपने रिफंड का इंतजार कर रहे हैं तो हम उन कारणों को बता रहे हैं।

**फॉर्म में बैंक खाते का गलत विवरण-**आयकर विभाग अब सिर्फ बैंक खाते में ही टैक्स रिफंड को भेजता है। ऐसे में अगर आपने फॉर्म भरते हुए अपने खाते का गलत विवरण भरा है तो आपका रिफंड अटक सकता है। इसको आप आयकर विभाग के जरिये सुधार सकते हैं।आप ऑनलाइन अपने फॉर्म में खाते का विवरण को सही कर सकते हैं। इसके साथ यह जरूरी है कि आप जिस बैंक खाते का विवरण अपने आयकर रिटर्न फॉर्म में दे रहे हैं वह पैन से जुड़ा हो।

**खाता पूर्व सत्यापित नहीं होना-**समय पर रिफंड नहीं आने का दूसरा सबसे बड़ा कारण होता है बैंक खाता का पूर्व सत्यापित नहीं होना। जिस खाते में आयकर विभाग से टैक्स रिफंड आना होता है उस बैंक खाते को अगर करदाता पहले से सत्यापित नहीं करता हैं तो आईटी रिफंड अटक जाता है। इसलिए करदाता को चाहिए कि वह आयकर विभाग से जुड़े बैंक खाते को समय से सत्यापित करें। टैक्स रिटर्न फाइल करने के बाद आपका जो भी रिटर्न बनेगा वह आयकर विभाग के सेंट्रलाइज्ड प्रोसेसिंग सेंटर के जरिए इसी अकाउंट में भेजेगा।

# एक नजर...

## फसल को इल्ली के प्रकोप से बचाने के लिए उपयोगी सलाह

**ग्वालियर।** गेहूं, चना व मसूर की फसल को इल्ली के प्रकोप से बचाने के लिये कृषि विशेषज्ञों द्वारा उपयोगी सलाह दी गई है। वर्तमान में कुछ खेतों में इल्ली देखी गई है। यह कीट शुरूआत में पत्तियों को कुतर कर खाता है व बाद में बालियों को नीचे से ऊपर की ओर नुकसान पहुंचाता है, जिससे बालियां सूखी हुई दिखाई देती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार इस कीट के नियंत्रण के लिए इमामैक्टिन बैंजोएट 100 ग्राम या फ्लूबेंडामइड 50 ग्राम या इण्डोक्सार्काब 125 ग्राम प्रति एकड 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। चने की फसल में इल्ली के नियंत्रण हेतु प्राफेनोफॉस 50 ई.सी. या क्विनालफॉस 25 ई.सी. 1.5 लीटर, हेक्टेयर प्रयोग करें। मसूर या तिवडा में माहू नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड या एसीटामिप्रिड 125 ग्राम, हेक्टेयर दवा का उपयोग करना चाहिए।

## शहीद दिवस पर कलावीथिका में सोलो एग्जीबिशन द्वारा वीरों को सम्मान तथा शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे

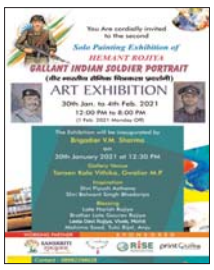


**हेमंत रोजिया,सुरजीत राजावत**

30 जनवरी 2021 को पड़ाव स्थित कला वीथिका में कलाकार हेमंत रोजिया द्वारा पांच दिवसीय वीर भारतीय सैनिक चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है जो कि 30 जनवरी से 4 फरवरी तक रहेगी यह सोलो एग्जीबिशन कलाकार हेमंत द्वारा लगाई जाएगी इसमें हेमंत रोजिया द्वारा बनाए गए 40 से ज्यादा वीर तथा शहीदों के पोर्ट्रेट की एग्जीबिशन लगाई जाएगी एग्जीबिशन का शुभारंभ 30 जनवरी को दोपहर 12-30 पर होगा और प्रतिदिन एग्जीबिशन 12-00 बजे से 8-00 बजे तक कला प्रेमियों के लिए खुली रहेगी एग्जीबिशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर बीएम शर्मा एवं शहीद कैप्टन उपमन्यु सिंह जी की माता जी तथा विशेष अतिथि के तौर पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह जी एवं एसडीएम विनोद भार्गव,एसपी अमित शाह जी कुलदीप साहित्य कुमार नाहर राजा मानसिंह तोमर यूनिवर्सिटी कुलपति संगीता शुक्ला जीवाजी यूनिवर्सिटी श्री पी के शर्मा संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा पेंशन ग्वालियर चंबल संभाग तथा संस्कृति गुरुकुल स्कूल निर्देशक ऋषभ जैन रहेंगे एग्जीबिशन का उद्देश्य वीर सपूतों को सम्मान तथा श्रद्धांजलि अर्पित करना और देश के युवाओं को वीर सपूतों की वीर गाथा और शौर्य से रूबरू कराते हुए उनके अंदर देशभक्ति और सेना के लिए जज्बा और सम्मान पैदा करना है आप सभी से नम्र निवेदन है कि हमारे इस छोटे से प्रयास में आप हमारे साथ सहभागी बन हमारा सहयोग करे अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि आप अपने छायाकार के साथ एग्जीबिशन के शुभारंभ मौके पर अपनी उपस्थिति आवश्यक रूप से दर्ज कराएं हमें आपके आने का इंतजार रहेगा कृपया आकर हमें अनुग्रहित करें।

## ग्वालियर व्यापार मेला का 10 फरवरी को उद्घाटन कर सकते हैं शिवराज, गाड़ियों की खरीद पर मिलेगी भारी छूट

**ग्वालियर.** कोरोना का असर कम होने और वैक्सीन आने के बाद ग्वालियर व्यापार मेले को अब जिला प्रशासन द्वारा हरी झंडी दिखा दी गई है. शनिवार को व्यापार मेला आयोजन को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय में क्राइसेस मैनेजमेंट की बैठक हुई. जिसमें मेला आयोजन को लेकर होने वाली तैयारियों पर मंथन हुआ. बैठक में 10 फरवरी को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से ग्वालियर व्यापार मेले का उदघाटन कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में कहा गया कि मुख्यमंत्री का यदि जल्द आगमन होता है तो, 10 से पहले भी मेले का शुभारंभ किया जा सकता है. मेले में कोरोना से बचाव के लिए सभी सैलानियों एवं दुकानदारों का मास्क लगाना अनिवार्य रहेगा. साथ ही मेले के सभी गेट पर सैनेटाइजेशन की व्यवस्था की जाएगी. मेले में लगातार सैनेटाइजेश किया जाएगा. कोरोना नियमों का पालन हो इसके लिए 500 वालेंटियर्स लगाने की बात कलेक्टर ने कही, जिसके लिए स्व सहायता समूहों का इस्तेमाल करने पर विचार है. मेला आयोजन के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा शासन को प्रस्ताव भेजा जा रहा है. बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने की. बैठक में पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, व्यापार मेला व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेंद्र भदकारिया, सचिव महेश मुदगल, एडीएम किशोर कान्याल, अपर कलेक्टर, रिंकेश वैश्य आदि मौजूद रहे.

**वाहनों की खरीद पर 50 प्रतिशत आरटीओ छूट-**परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने वाहन छूट को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा की थी. चर्चा में बीते 2 साल की तरह इस साल भी मेले में 50 प्रतिशत आरटीओ छूट दिए जाने की बात रखी गई. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इसे लेकर सहमति जाहिर कर दी है. मेला प्राधिकरण एवं परिवहन विभाग ने भी मेले से वाहन खरीदने पर 50 फीसदी आरटीओ का प्रस्ताव शासन को भेज दिया है. वाहन डीलरों ने भी क्षेत्रिय परिवहन कार्यालय में ट्रेड लायसेंस लेने के लिए संपर्क करना शुरू कर दिया है. मेले को लेकर लोगों में भी उत्सुकता है.

## सभी शैक्षणिक संस्थायें प्राधिकृत अधिकारी के डिजीटल हस्ताक्षर 31 जनवरी तक अपलोड करायें

**शिवपुरी ।** पिछड़ा वर्ग छात्रवृति योजनान्तर्गत शैक्षणिक वर्ष 2020-21 हेतु समस्त शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देशित किया जाता है कि वह अपने-अपने प्राधिकृत अधिकारी के डिजीटल हस्ताक्षर बनवाकर 31 जनवरी तक स्कॉलरशिप पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करना सुनिश्चित करें। पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहायक संचालक ने बताया कि राज्य शासन के पिछडा वर्ग तथ अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित पिछडा वर्ग पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति 2020-21 हेतु छात्रवृति पोर्टल पर बदलाव किया गया है जिसमें छात्रवृति आवेदन महाविद्यालय से विभाग को अग्रेषित करने हेतु डिजीटल हस्ताक्षर आवश्यक है।

# लोकायुक्त ग्वालियर ब्रेकिंगः नायब तहसीलदार डबरा का रीडर रिश्वत लेते दबोचा

**ग्वालियर।** ग्वालियर-चंबल संभाग में ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त पुलिस की धड़ाधड़ कार्रवाई के बाद भी सरकारी अधिकारी -कर्मचारियों के रिश्वत लेने का मामला थम नहीं रहा है। आज लोकायुक्त पुलिस की टीम डबरा के छीमक वृत में नायब तहसीलदार के रीडर ओमप्रकाश शर्मा को 3 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये दबोचा। यह रिश्वत रीडर ओमप्रकाश शर्मा ने फरियादी उदयभान रावत से नामान्तरण हेतु पेंडिग फाइल को निपटारे के लिये मांगी थी। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा के अनुसार नायब तहसीलदार के रीडर ओमप्रकाश शर्मा ने काफी दिनों से उदयभान रावत की फाइल को निपटारे के लिये तीन हजार रूपये मांगे , तो उदयभान रावत ने इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस को की। आज लोकायुक्त टीम डबरा छीमक पहुंची, वहां जैसे ही उदयभान ने ओमप्रकाश शर्मा को रंग लगे 3 हजार रूपये पकडाये तो पहले से ही तैयार बैठी टीम ने उसे रिश्वत की राशि सहित दबोच लिया। लोकायुक्त उप अधीक्षक प्रद्युम्न पाराशर के नेतृत्व में रिश्वत खोर रीडर को पकडने वाली टीम में निरीक्षक राघवेन्द्र तोमर, उप निरीक्षक सुरेश कुशवाह, आरक्षक हेमंत शर्मा , देवेन्द्र शर्मा आदि शामिल थे। उप अधीक्षक प्रद्युम्न पाराशर ने बताया कि कार्रवाई में पकडे गये आरोपी से पूछताछ जारी है।

# मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आहार वितरण कार्यक्रम के तहत अजजा. की महिलाओं से किया संवाद

**ग्वालियर।** मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की विशेष पिछड़ी जनजातियों में शुमार सहरिया, बैगा व भारिया समुदाय की महिलाओं से गुरूवार को वर्चुअल चर्चा की। साथ ही आहार अनुदान वितरण कार्यक्रम के तहत भोपाल से एक क्लिक के जरिए 14 जिलों के 2 लाख 19 हजार अनुसूचित जनजाति परिवारों के खाते में 21 करोड़ 92 लाख रूपए की अनुदान राशि पहुँचाई। इन लाभान्वितों में ग्वालियर जिले के 6 हजार 860 सहरिया परिवार शामिल हैं। इन परिवारों की महिलाओं के खातों में कुल 6 लाख 86 हजार रूपए की राशि पहुँची। यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में जिले के विभिन्न ग्रामों से आई सहरिया परिवारों की महिलाओं ने भी वर्चुअल रूप से इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। साथ ही मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा विभिन्न महिलाओं से किए गए सीधे संवाद को सुना। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह एवं सहायक आयुक्त जनजाति कल्याण विभाग श्री एच बी शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। ज्ञात हो प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जनजाति परिवारों की महिलाओं को पौष्टिक एवं पोषण युक्त आहार मुहैया कराने के लिये विशेष रूप से आहार अनुदान योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत अनुसूचित जनजाति परिवारों की महिलाओं के खाते में प्रदेश सरकार द्वारा हर माह एक हजार रूपए की राशि पहुँचाई जाती है।

# दानाओली में यूपी के बदमाश, मुठभेड़, तीन दबोचे

**ग्वालियर।** शहर के बीचो-बीच घनी आबादी वाले दाना ओली में पुलिस पर बदमाशों की मुठभेड़ एसपी ग्वालियर सहित पुलिस भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद। दूसरे जिले के बदमाश और पुलिस के बीच दानाओली में मुठभेड़ की खबर मिली। एसपी ग्वालियर अमित सांघी ने इसकी पुस्टि की है । जानकारी के अनुसार दाना गोली के एक मकान में बदमाशों के छुपे होने की खबर पुलिस को मिली थी जिसके बाद उनकी घेराबंदी की गई। घेराबंदी के बाद भी बदमाश घर से नहीं निकले तो टियर गैस ( आंसू गैस) के गोले छोड़े गए। इसके बाद भी जब बदमाश बाहर नहीं आए तो घर को ग्रेनाइट से उड़ाने की धमकी दी गई जिसके बाद तीन लोगों को संभवत पुलिस ने हिरासत में ले लिया है घर के अंदर लोडेड हथियार भी बरामद किये हैं।

## 8 फरवरी से ली जायेंगीं मतदाता-सूची से संबंधित दावे-आपत्तियां

**ग्वालियर।** नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों के आम निर्वाचन के लिये एक जनवरी 2021 की संदर्भ तारीख के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता-सूची के पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। मतदाता-सूची से संबंधित दावे-आपत्तियाँ 8 फरवरी से ली जायेंगीं। ऐसे सभी पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता-सूची में जुड़वा सकते हैं, जिनकी आयु 18 वर्ष हो गई है। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची की फोटो रहित सूचियां वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। कोई भी व्यक्ति इन सूचियों में अथवा सर्च इंजन के माध्यम से अपना नाम देख सकता है।

**खुशियों की दास्तां**

# कलावती का सहारा बनी संबल

**ग्वालियर।** श्रीमती कलावती कुशवाह का सहारा बनी मुख्यमंत्री की संबल योजना। सम्बल योजना से मिले रूपयों से कलावती अब खुद की किराने की दुकान खोलकर घर खर्च तो चलायेंगी ही साथ ही बच्चों को अच्छे स्कूल में पढा सकेगीं। श्रीमती कलावती के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। यह लोग छोटे से मकान में निवास करते है। शासन के द्वारा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए श्रमिक परिवार के मुखिया की मृत्यु होने पर संबल योजना के कार्ड धारी परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है। सिकंदर कंपू बारह बीघा निवासी श्रीमती कलावती ने बताया कि उनके पती स्व. लक्ष्मण कुशवाह उम्र 50 वर्ष की मृत्यु मजदूरी करते हुए ह्रदयघात से हो गई। स्व. श्री कुशवाह मजदूरी कर घर का सारा खर्च उठाते थे, घर में उनके अलावा कमाने वाला कोई नही था, उनके जाने के बाद घर की सारी जिम्मेदारी मेरे उपर है, ऐसे समय में मुख्यमंत्री की सम्बल योजना हमारे लिए वरदान साबित हुई है। इन रूपयों से में अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पडाने के साथ ही खुद का रोजगार भी खोल सकूंगी।

# संभाग आयुक्त कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली शुरू

**संभाग आयुक्त ने किया शुभारंभ**

**ग्वालियर।** आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश एवं शासकीय कामकाज में सुशासन स्थापित करने के उद्देश्य को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा ई-ऑफिस कार्य प्रणाली को भी विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। एनआईसी (सूचना विज्ञान केन्द्र) के सहयोग से सरकारी दफ्तरों में ई-ऑफिस कार्यप्रणाली लागू की जा रही है। इस कड़ी में मोतीमहल स्थित संभाग आयुक्त कार्यालय में भी एनआईसी के तकनीकी सहयोग से ई-ऑफिस कार्य प्रणाली शुरू हो गई है। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना द्वारा ई-ऑफिस कार्यप्रणाली का विधिवत शुभारंभ किया गया।

## मास्टर ट्रेनर के लिए 5 फरवरी तक आवेदन माँगे

**ग्वालियर।** समेकित बाल संरक्षण योजना के तहत पोक्सो, दत्तक ग्रहण, बच्चों के मानसिक अवसाद एवं आघात के संबंध में विशेषज्ञ मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण दिलाया जायेगा। मास्टर ट्रेनर के रूप में सेवा देने के इच्छुक व्यक्ति इमली चौक परिसर मोतीमहल स्थित संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। साथ ही जिला स्तर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी के कार्यालय में संपर्क किया जा सकता है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 5 फरवरी 2021 है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोविन्द कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोविन्द कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478